हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, सोमवार, 21 जुलाई 2025

[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

तापमान

अधिकतम 32.2 डिग्री

न्यूनतम 21.0 डिग्री

10 दो दिवसीय सावन उत्सव 2 व 3 अगस्त को, शामिल होने दिया आमंत्रण

11 ठेकेदार की लापरवाही से पुल अधूरा, बारिश में हलाकान हो रहे ग्रामीण

जिले में 358.7 मिमी बारिश

भिलाई। दुर्ग जिले में 1 जून से 20 जुलाई 358.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। रविवार को 24.10 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने 21 जुलाई को भी बारिश होने की चेतावनी दी है।

रेलवे 1052 एलबीएच के कोच में लगा रहा है डिवाइस, 70 फीसदी काम हो गया है पूरा

एसी ट्रेनों के बाद अब स्लीपर कोच में भी हाई क्वालिटी वाले कैमरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने भिलाई-दुर्ग से निकलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए सभी एलएचबी कोचों में हाईटेक सीसी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। एक्सप्रेस ट्रेनों के एसी कोच में सीसीटीवी कैमरे अभी लग चुके हैं। अब स्लीपर कोच में भी कैमरे लगाए जा रहे हैं।

रेलवे के मुताबिक सीसीटीवी कैमरा कोचों में लगाने का काम करीब 70 फीसदी ट्रेनों में पूरा हो चुका है। सभी प्रमुख ट्रेनों के एलएचबी (लिंके-हॉफमैन-बुश) कोच सीसीटीवी कैमरे से लैस हो जाएंगे। रेलवे का दावा है कि अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाने के बाद रेल यात्रा को और अधिक सुरक्षित, भरोसेमंद बनाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इसकी पहल देश के पीएम नरेंद्र मोदी के सुरक्षित और स्मार्ट रेलवे विजन के अनुरूप भारतीय रेलवे का तेजी से आधुनिकीकरण किया जा रहा है। रेलवे बोर्ड ने देश में 74 हजार यात्री डिब्बों व 15 हजार लोकोमोटिव इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की घोषणा की है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा लगाए जा रहे ये कैमरे कोचों के प्रमुख हिस्सों जैसे कि प्रवेश और निकास द्वारों के पास निगरानी के उद्देश्य से इंस्टॉल किए जा रहे हैं। अब तक रेलवे ने छत्तीसगढ़, अहमदाबाद, उत्कल, मेल, ज्ञानेश्वरी सुपर डिलक्स, हमसफर समेत सभी एक्सप्रेस ट्रेनों के एसी कोच में सीसीटीवी कैमरे लग चुके हैं। अब स्लीपर कोच में लग रहा है।

आरक्षित में 4 और अनारक्षित कोच में 6 कैमरे लग रहे

आरक्षित कोचों में 4 और अनारक्षित कोचों में 6 कैमरे लगाए जा रहे हैं। इंस्टॉलेशन के दौरान यह विशेष ध्यान रखा गया है कि यात्रियों की निजता बनी रहे। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था भी सुदृढ़ हो। अधिकारियों के मुताबिक रेलवे हाई क्वालिटी वाले डिवाइस लगाने के निर्देश जारी किए है। ये कैमरे कम रोशनी में भी स्पष्ट रुप से वीडियो फुटेज रिकॉर्ड आसानी से कर पाएगा।

यात्रियों की सुरक्षा पर है ध्यान

रेलवे लगातार ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर लगातार एलबीएच कोच में सीसी कैमरा लगा रही है।इसके अलावा अब स्लीपर कोच में भी डिवाइश लगने के बाद यात्रियों की सुरक्षा पहले से बेहतर होगा। स्लीपर कोच में सीसी कैमरा नहीं लगने से यात्रियों के कई सामान पार हो जाते है। कई अपराध भी ट्रेनों में होते आए लेकिन रेलवे पुलिस इसे पकड़ नहीं पाती है। अब कैमरा लगने के बाद सुरक्षा बेहतर होगा।

ट्रेनों में हो चुकी है बड़े अपराध

रेलवे ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को सुरक्षित यात्रा कराने को लेकर गंभीर हो गई है। इसके पूर्व ट्रेनों में कई लूटपाट समेत बड़ी चोरियां भी हो चुकी है। इसे लेकर रेलवे एसी और स्लीपर कोचों में भी सीसीटीवी कैमरा लग चुका है। बचे स्लीपर कोच का 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इसके बाद रेलवे चोरी की घटनाओं को लगाम लगाने सीसी कैमरे से नजर रख रही है।

स्लीपर कोच में भी अब सीसी कैमरे

यात्रियों की सुरक्षा के लिए एलबीएच कोच में सीसी कैमरा लगाया गया है। अब स्लीपर कोच में भी हाई क्वालिटी वाले डिवाइश लगाने का काम जारी है।1052 कोच पर होगी निगरानी।

-डॉ. सुस्कर विपुल विलासराव, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी रेलवे

चैतन्य बघेल की पुनरीक्षण याचिका खारिज टीआई महेश व पाठक पर भी एफआईआर नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

दुर्ग जिला एवं सत्र न्यायाधीश के विनोद कुजूर की अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया है।

प्रो. विनोद शर्मा पर हुए जानलेवा हमला के मामले में पुरानी भिलाई थाना पुलिस ने चैतन्य को भी आरोपी बनाया और बयान के लिए थाने आने का नोटिस जारी कर रही है। इसे देखते हुए चैतन्य ने दुर्ग न्यायालय में आवेदन कर पुनरीक्षण याचिका लगाई थी कि उससे जो बयान लिए जाने हैं वो सीधे कोर्ट में लिए जाएं। इसे अदालत ने अस्वीकार कर दिया है। जानकारी के मुताबिक पुरानी भिलाई पुलिस ने 19 जुलाई 2024 को खूबचंद बघेल शासकीय कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर विनोद शर्मा पर हुए जानलेवा हमला के मामले में अपराध पंजीबद्ध कर 6 आरोपियों के खिलाफ अभियोग पत्र पेश किया है। इसको लेकर पुलिस ने चैतन्य को भी आरोपी बनाया और 25 सितंबर 2024 को थाने आकर बयान देने का नोटिस जारी किया था। इसके बाद 26 सितंबर को चैतन्य थाने में उपस्थित हुआ और वीडियोग्राफी के बीच बयान दर्ज कराया।

इस दौरान थाने में राजनीतिक प्रोपोगंडा के चलते चैतन्य ने कोर्ट में याचिका लगाई कि उसे बार बार नोटिस जारी कर जो थाने में बुलाकर बयान लिए जा रहे हैं उस पर रोक लगाई जाए। जो भी बयान हो वो कोर्ट में लिए जाएं। कोर्ट ने उनके इस बयान को खारिज कर दिया है।

टीआई ध्रुव व श्रद्धा के खिलाफ भी एफआईआर नहीं

प्रो. विनोद शर्मा पर हुए जानलेवा हमले के मामले में सत्र न्यायालय ने लोवर कोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया है। भिलाई तीन कोर्ट में हमले के आरोपी प्रोवीर शर्मा की पत्नी डॉ. पूर्णिमा शर्मा ने याचिका लगाई थी। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने 27 जनवरी को पुरानी भिलाई थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी महेश ध्रुव और महिला थाना प्रभारी श्रद्धा पाठक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। इस आदेश को लेकर जिला एवं सत्र न्यायालय में पुनरीक्षण याचिका दायर की गई थी।

जेल के बाथरुम में बंदी ने लगाई फांसी, जांच जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सेंट्रल जेल दुर्ग में एक विचारधीन बंदी ने बाथरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पद्मनाभपुर पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। पदमनाभपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम देवरी धमधा निवासी किशुन साहू (35 वर्ष) जेल में बने बाथरूम में बेडशीट को फंदा बनाकर फांसी में झूल गया। किशुन वर्ष 2024 से पत्नी की हत्या के मामले में सेंट्रल जेल दुर्ग में सजा काट रहा था।मृतक जेल के बैरक नंबर 20 में था। वो शौचालय गया और वहां फांसी लगा ली। घटना की जानकारी लगने पर जेल में हडकंप मच गया।

अन्य कैदियों ने घटना के बारे में जेल प्रशासन को जानकारी दी। घटना के बारे में परिजनों को सूचना देने के बाद शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा गया है। बताया जा रहा है कि किशुन की तबियत घटना के एक दिन पहले से खराब थी और जेल में ही उसका उपचार चल रहा था।

रस्सी से गला घोंटकर की थी पत्नी की हत्या

किशुन ने अपनी पत्नी कविता साहू की 19 अप्रैल 2024 को गेरवा (रस्सी) से गला घोंटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद उसके शव को म्यार में प्लास्टिक बोरी के फट्टा में लपेट कर टांग दिया था। घटना के बाद धमधा पुलिस ने किशुन को गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया था।

खबर संक्षेप

सीएम से मिला निषाद समाज का प्रतिनिधि मंडल

दुर्ग। जिला निषाद समाज सहित प्रदेश स्तर के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भेंट कर समाज की विभिन्न जनकल्याणकारी मांगों और समस्याओं पर चर्चा की। यह मुलाकात समन्वय समिति मछुआरा समाज का सामूहिक राष्ट्रीय संगठन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री कोमल देव निषाद के नेतृत्व में हुई। मुख्यमंत्री ने समाज के मुद्दों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर निषाद समाज द्वारा हाल ही में आयोजित सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम में हितग्राहियों को शासन से मिलने वाली सहायता राशि के विलंब पर उचित कार्यवाही की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने रायपुर निवासी साक्षी निषाद की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के मामले में न्याय की मांग की और जीवित शिशु के पालन-पोषण हेतु सरकार से उचित मुआवजा राशि दिए जाने की अपील की। विष्णु निषाद के नाम किसी शासकीय विद्यालय का नाम रखने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय संगठन मंत्री समन्वय समिति आनंद निषाद, पूर्व प्रांताध्यक्ष छत्तीसगढ़ निषाद समाज, मनोहर लाल निषाद, प्रदेश महासचिव वीरेंद्र कुमार निषाद, दुर्ग जिला अध्यक्षए युवा प्रको मनीष निषाद, रामचरण निषाद एवं झूमुक लाल निषाद उपस्थित रहे।

स्वच्छाग्रहियों को सुरक्षा किट दवाइयों का किया गया वितरण

दुर्ग। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे की अध्यक्षता में जनपद पंचायत दुर्ग सभागार में स्वच्छाग्रही स्व सहायता समूह की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 81 ग्राम के 150 स्वच्छाग्रही उपस्थित हुए। ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत घर-घर कचरा एकत्रीकरण कर रहे स्वच्छाग्रही समूह के सदस्यों को स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से दवाइयों के किट का वितरण किया गया, जिसे प्राथमिक उपचार के रूप में स्वच्छाग्रही द्वारा उपयोग किया जायेगा। सहायक परियोजना अधिकारी पिताम्बर यादव द्वारा ग्राम स्तर पर आ रही चुनौतियों पर चर्चा की गई। स्वच्छाग्रहियों द्वारा जानकारी दी गई कि 36 ग्राम में 01 दिन, 23 गांव में 02 दिन, 04 गांव में 03 दिन, 04 गांव में 06 दिन एवं 14 गांव में 07 दिन घर-घर कचरा एकत्रीकरण का कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत द्वारा कुछ ग्राम पंचायतों में 05 से 06 माह से मानदेय नहीं दिया गया है, जिस पर बजरंग दुबे द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

4 से 11 अगस्त तक विभागीय परीक्षा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन गृह-सी विभाग द्वारा 4 से 11 अगस्त तक विभागीय परीक्षा आयोजित करने कार्यक्रम घोषित किया गया है। संभाग आयुक्त कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार दुर्ग संभाग अंतर्गत विभागीय परीक्षा का आयोजन भिलाई प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी) दुर्ग को परीक्षा केन्द्र नामांकित किया गया है।

बेटियों को बताई सही कॅरियर के चुनाव की महत्ता व माता-पिता की भूमिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल, कृष्णा नगर, सुपेला में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत एक दिवसीय कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी आरके जाम्बुलकर एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय साहू के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर शाला की प्राचार्या शिखा तिवारी, समस्त शिक्षकगण एवं महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) से विनिता गुप्ता (जिला मिशन समन्वयक), लक्ष्मीकांत यादव (जेंडर विशेषज्ञ), शिल्पी उपाध्याय (वित्तीय साक्षरता एवं समन्वयक विशेषज्ञ), एकीकृत बाल संरक्षण इकाई से लोकगणी साहू (सामाजिक कार्यकर्ता), सखी वन स्टॉप सेंटर से शअसंती साहू (केन्द्र प्रशासक) एवं कविता डोरले (परामर्शदाता) की उपस्थित रहें।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत कॅरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन

कॅरियर के लिए किया जागरुक

कार्यशाला के माध्यम से किशोरी बालिकाओं को कैरियर के प्रति जागरूक करना, लक्ष्य निर्धारण में सहयोग देना एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में रोजगार कार्यालय एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र उपसंचालक वीके केडिया ने किशोरी बालिकाओं को लक्ष्य निर्धारण, रोजगार के प्रकार, सही कैरियर के चुनाव की महत्ता एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कब व कैसे की जानी चाहिए, के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। चिरंजीवी जैन, पेरेंटिंग एक्सपर्ट ने करियर निर्माण में माता-पिता की भूमिका तथा आत्मविश्वास के महत्व पर बल दिया। वहीं परियोजना समन्वयक चन्द्रप्रकाश पटेल चाइल्ड लाइन ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, किशोरी सुरक्षा तथा पॉक्सो एक्ट की जानकारी देकर बालिकाओं को जागरूक किया।

सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

महिला सशक्तिकरण केंद्र की टीम द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजना के तहत बालिकाओं को शिक्षित कर उन्हें समाज में सम्मान दिलाना, सामाजिक परिवर्तन के माध्यम से लिंगानुपात में सुधार, महतारी वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बालिकाओं के लिए वित्तीय सुरक्षा को प्रोत्साहन करना व भविष्य की शिक्षा और विकास के संबंध में जानकारी दी। साथ ही सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं के माध्यम से संकट में फंसी महिलाओं को एक ही छत के नीचे सहायता प्रदान करने की व्यवस्था की जानकारी दी गई।

दुविधा : दो साल पहले ले के प्रस्ताव पर विरोध की वजह से मामला है अटका

परिसीमन से पहले धनोरा व उमरपोटी को रिसाली निगम में शामिल करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

रिसाली निगम में धनोरा व उमरपोटी को शामिल करने की फिर से कवायद शुरू हो गई है। दरअसल दुर्ग ग्रामीण विधानसभा का नए सिरे से परिसीमन होना है और दो विधानसभा बनना है। इसके पहले ही उमरपोटी व धनोरा को रिसाली निगम में समाहित किया जा सकता है। इसलिए कि रिसाली निगम से सटे ये दोनों गांव केवल नाम के हैं और यह अब पूरी तरह शहर का शक्ल ले चुका है। यहां के लोगों को बुनियादी सुविधाएं अब तक इसलिए नहीं मिल पा रही है कि ग्राम पंचायत के पास फंड नहीं है और निगम के पास विकास करने के लिए जगह नहीं है।

नई कालोनियां हो गई हैं विकसित पर बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे हैं ग्राम पंचायतवासी

यह तस्वीर ग्राम पंचायत उमरपोटी की है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि बुनियादी सुविधाएं यहां कैसी है।

12 हजार की आबादी को हैं इंतजार

रिसाली निगम उमरपोटी और धनोरा ग्राम पंचायत को समाहित करने में सफल हो जाती है तो यहां की 11 हजार 400 आबादी निगम के दायरे में आ जाएगी। खास बात यह है कि इन दोनों ही ग्राम पंचायत रिसाली निगम से जुड़े हुए है और विकास कोसों दूर है। व्यक्तिगत राजनीति इतनी ज्यादा हावी है कि निगम में शामिल करने के लिए शासन को जनहित को सर्वोपरि कर दूरदर्शी निर्णय लेने की जरूरत पड़ेगी।

तीन साल पहले का प्रस्ताव अधर में है लटका

नवगठित रिसाली निगम ने ग्राम पंचायत धनोरा व उमरपोटी को निगम क्षेत्र में शामिल करने 24 मार्च 2023 को लिया गया था। तत्कालीन गृहमंत्री व दुर्ग ग्रामीण विधायक ताम्रध्वज साहू की सोच पर तत्कालीन राजस्व विभाग प्रभारी चन्द्रप्रकाश सिंह निगम व तत्कालीन सामान्य प्रशासन विभाग प्रभारी चन्द्रमान सिंह ठाकुर ने धनोरा के अलावा उमरपोटी पंचायत को भी निगम क्षेत्र में शामिल करने प्रस्ताव लाया। जिसे महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता वाली परिषद ने सर्व सम्मति से पारित किया था। तब से यह अधर में लटका हुआ है।

इसलिए जरूरी हो गया है ग्राम पंचायतों को निगम में शामिल करना

रिसाली नगर निगम भिलाई के 14 वार्डों को पृथक कर बनाया गया है। इसमें भिलाई टाउनशिप भी शामिल है। वर्तमान में रिसाली निगम में 40 वार्ड हैं। दोनों ग्राम पंचायतों को शामिल करने के बाद 60 से ज्यादा वार्ड हो जाएंगे। सरकार विधानसभा का परिसीमन करने की तैयारी में है। विधानसभा परिसीमन होगा तो दुर्ग ग्रामीण विधानसभा दो हो जाएंगे। इस स्थिति में रिसाली निगम का दायरा और सिमट जाएगा। इस स्थिति में रिसाली निगम के अस्तित्व को बचाने के लिए लगे हुए ये दोनों ग्राम पंचायत को शामिल करना जरूरी हो जाएगा।

कालोनियों में इस तरह बुनियादी विकास नहीं

ग्राम पंचायत उमरपोटी : इस ग्राम पंचायत की आबादी करीब 4400 है। रिसाली निगम और उमरपोटी पंचायत क्षेत्र के बीच केवल सड़क ही फासला है। यानी सड़क के एक पार रिसाली निगम के वार्ड हैं तो दूसरी पार ग्राम पंचायत की कालोनियां है। इन कालोनियों में कच्ची सड़के हैं। कुछ सड़के सीमेंटीकृत हैं लेकिन जर्जर हो गई है। निकासी के लिए नाली तक नहीं है। बिजली और पेयजल जैसी समस्या बनी रहती है। बारिश में लोगों का चलना मुश्किल हो जाता है। सुदूर गांव से ही बदतर स्थिति में लोग रहने मजबूर है।

ग्राम पंचायत धनोरा : इस ग्राम पंचायत की आबादी यूं तो रिकार्ड में 5600 की है लेकिन रिसाली निगम से जुड़े होने की वजह से इतना ज्यादा डिमांड बढ़ी कि अब 7 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं। रिसाली पटरीपार के इस पार रिसाली निगम का क्षेत्र है तो उस पार धनोरा ग्राम पंचायत शुरू हो जाती है। धनोरा में सबसे ज्यादा नई कालोनी विकसित हुई है। सरकारी मॉडल कॉलेज भी है। यहां न रोड, नाली, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। अवैध कालोनी का दंश यहां के लोग झेल रहे हैं।

रिसाली निगम को यह हो रही दिक्कत

पहला- निगम में टैक्स की बढ़ोतरी नहीं हो रही

रिसाली निगम में धनोरा और उमरपोटी ग्राम पंचायत के शामिल किए जाने से सबसे बड़ा फायदा टैक्स का होगा। रिसाली निगम को दोनों पंचायतों से बड़ी रकम टैक्स के रूप में मिलेगा। इससे निगम की आय बढ़ेगी। वर्तमान में टैक्स की बढ़ोतरी नहीं हो पा रही। ज्यादातर मकान श्रमिक बस्तियों में है। जहां पर टैक्स की छूट शासन योजना के मुताबिक देना पड़ रहा है। बीएसपी की जमीन होने की वजह से सड़क, नाली, बिजली की सुविधा पहले से ही इन बस्तियों में मौजूद है।

दूसरा- बीएसपी की वजह से प्रोजेक्ट अधर में

घनी आबादी और इस्पात संयंत्र के आधिपत्य वाली भूमि होने की वजह से शासन से स्वीकृत बड़े प्रोजेक्ट अधर में है। हाल है कि 100 बिस्तर अस्पताल जमीन के अभाव में निर्माण नहीं हो पा रहा है। शासकीय कॉलेज का निर्माण के लिए जगह नहीं है। पेयजल के लिए फिल्टर प्लांट को स्थापना होना है। सर्वसुविधायुक्त ऑडियोटोरियम बनाना है। स्टेडियम का निर्माण सहित कई विकास कार्य नहीं हो पा रहे हैं। पट्टा भी बस्ती के पात्र लोगों को बांटना है।

परिसीमन से पहले समायोजन जरूरी

हमने दो साल पहले ही रिसाली निगम में उमरपोटी और धनोरा को शामिल करने का प्रस्ताव भेज दिया था। दोनों पंचायत के सरपंचों ने इसका विरोध किया। इसलिए यह मामला अब तक अटका हुआ है। विधानसभा का परिसीमन होना है। इस स्थिति में परिसीमन से पहले समायोजन करना जरूरी हो गया है। जिससे निगम विकास कार्य को गति प्रदान कर सके।
-शशि सिन्हा, महापौर, रिसाली

बैठक में लंबित प्रकरणों को निराकरण करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

कलेक्टर सभाकक्ष में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1995 एवं संशोधित नियम 2016 योजना अंतर्गत जिला सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अभिषेक कुमार जायसवाल द्वारा एजेण्डावार जानकारी प्रस्तुत की गई। जिस पर समिति के सदस्यों द्वारा बिन्दुवार विस्तृत चर्चा की गई।

पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन पर एजेण्डावार समीक्षा की गई। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अभिषेक कुमार ने द्वितीय माह अप्रैल से जून 2025 आदिवासी विकास, उप पुलिस अधीक्षक एवं विशेष लोक अभियोजक द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसुचित जनजाति अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरण एवं उन पर की गई कार्यवाही व लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अन्य आवश्यक बिन्दुओं पर भी चर्चा की गई। उन्होंने लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकरण करने को कहा। बैठक में समाज कल्याण उप संचालक एपी गौतम, उद्यान उप संचालक नारायण सिंह, विशेष लोक अभियोजन उपसंचालक अनुरेखा सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (आजाक), सांसद प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

21 से 23 जुलाई तक जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता, राज्य स्तर पर पहुंचेंगे विजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण अंतर्गत युवाओं में कौशल विकास के संबंध में जागरूकता एवं मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षित तथा प्रशिक्षणरत युवाओं को अपने तकनीकी कौशल का मूल्यांकन एवं प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जाएगा। जिसके तहत युवाओं में आत्मविश्वास तथा प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करते हुए इंडिया स्किल 2025 और वर्ल्ड स्किल 2026 के लिये संभावित प्रतिभाओं की पहचान एवं चयन करने के उद्देश्य से कौशल तिहार-2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिला कौशल विकास प्राधिकरण के सहायक संचालक से प्राप्त जानकारी के अनुसार कौशल तिहार 2025 के अंतर्गत जिला स्तर पर विभिन्न 7 ट्रेड रिनेबल एनर्जी, हेल्थ एंड सोशल केयर, फील्ड टेक्निशियन इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाईल फोन टेक्निशयन इलेक्ट्रॉनिक्स, डेस्कटॉप पब्लिसिंग, इलेक्ट्रिकल इस्टॉलेशन और प्लबिंग एवं हीटिंग ट्रेडों में कौशल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। प्रत्येक ट्रेड से 2 विजेता चुने जायेंगे, जो राज्य स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिला स्तर के विजेता प्रतिभागी राज्य स्तर पर 28 से 30 जुलाई तक

- प्रत्येक ट्रेड से 2 विजेता चुने जाएंगे

पीएम और सीएम कौशल विकास योजना कौशल तिहार-2025

21 जुलाई को : 21 जुलाई को पूर्वान्ह 10 से अपरान्ह 1 बजे तक रिनेवेबल एनर्जी ट्रेड में सोलर पीवी इंस्टॉलर तथा सोलर पंप टेक्निशियन कोर्स की प्रतियोगिता एवं दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक ऋषिकेश एजुकेशन सोसायटी, धनोरा में इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन ट्रेड में असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन कोर्स की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

22 जुलाई को: अनुभव कौशल केन्द्र, खुर्सीपार भिलाई में प्रातः 10 से अपरान्ह 1 बजे तक हेल्थ एंड सोशल केयर ट्रेड में जनरल ड्यूटी असिस्टेंट कोर्स की प्रतियोगिता और दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक शासकीय आईटीआई दुर्ग में प्लंबिंग एंड हीटिंग ट्रेड में जल वितरण संचालक कोर्स की प्रतियोगिता होगी।

23 जुलाई को: स्किल जोन, नेहरू नगर भिलाई में प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक फील्ड टेक्निशियन-इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेड में फील्ड टेक्निशियन कंप्यूटिंग एंड पेरिफेरल कोर्स की प्रतियोगिता और दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक एडवांस हाईटेक इंस्टीट्यूट भिलाई प्रिय दर्शनी परिसर सुपेला भिलाई में मोबाइल फ़ोन टेक्निशियन-इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेड में मोबाइल फ़ोन हार्डवेयर रिपेयर टेक्निशियन कोर्स के अलावा बी.डी.एस. कॉलेज, बाबादीप सिंह नगर भिलाई में ग्राफिक डिज़ाइन टेक्नोलॉजी/डेस्कटॉप पब्लिशिंग ट्रेड में एसोसिएट डेस्कटॉप पब्लिशिंग कोर्स की प्रतियोगिता होगी।

दो दिवसीय सावन उत्सव 2 व 3 अगस्त को, शामिल होने दिया आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

महापौर अलका बाघमार ने शहर के विकास कार्यों के लिए स्वीकृत राशि को लेकर उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया। महापौर ने एमआईसी सदस्यों और पार्षदों के साथ मंत्री श्री साव के निवास पर भेंट कर नगर के प्रति उनकी संवेदनशीलता और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

- राशि उपलब्ध कराने पर उप मुख्यमंत्री का जताया आभार

महापौर ने कहा कि मंत्री श्री साव द्वारा दिए गए सहयोग से शहर के अधूरे कार्यों को गति मिलेगी और आम नागरिकों को शीघ्र सुविधाएं प्राप्त होंगी। इस अवसर पर महापौर श्रीमती बाघमार ने मंत्री श्री साव की धर्मपत्नी मीना साव से भी शिष्टाचार भेंट कर उन्हें आगामी 2 एवं 3 अगस्त को आयोजित दो दिवसीय सावन महाउत्सव के लिए आमंत्रित किया। महापौर ने कहा कि राज्य सरकार के निरंतर सहयोग से नगर निगम नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास कर रहा है और निकट भविष्य में शहर की तस्वीर और अधिक निखरेगी। इस दौरान एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल तथा पार्षद रंजीता पाटिलए सावित्री दमाहे, सरिता चन्द्राकरए पूर्व पार्षद ममता देवांगन सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रदेश के विभिन्न विद्युत कार्यालयों और उत्पादन संयंत्रों में 50 हजार पौधे रोपने का लक्ष्य

विद्युत क्षेत्रीय मुख्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों ने रोपे पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज द्वारा पौधरोपण महोत्सव के तहत प्रदेश में स्थापित अपने विभिन्न विद्युत कार्यालयों और उत्पादन संयंत्रों में 15 अगस्त तक 50 हजार फलदार एवं छा या दा र पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इसी तारतम्य में रायपुर नाका स्थित छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के मुख्यालय परिसर में मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल, अधीक्षण अभियंता एस मनोज एवं उपमहाप्रबंधक वित्त एवं लेखा वाय कोसरिया सहित मुख्य अभियंता एवं वरिष्ठ लेखाधिकारी कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह के साथ एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण सरंक्षण में सहभागिता दी। उल्लेखनीय है कि दुर्ग रीजन दुर्ग, बालोद, बेमेतरा जिले में लगभग 3 हजार 255 पौधे लगाने का लक्ष्य पॉवर कंपनी द्वारा दिया गया है, जिसके तहत दुर्ग रीजन के अधीनस्थ सभी कार्यालयों में वृक्षारोपण निर्धारित तिथि तक कर लिया जाएगा।

- दुर्ग, बालोद व बेमेतरा रीजन में 3,255 पौधे रोपने का लक्ष्य

उन्होंने दुर्ग रीजन के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को लक्ष्य से अधिक पौधे लगाने के लिए अपील की। कार्यक्रम में वरिष्ठ कल्याण अधिकारी डीके डूम्भरे, कार्यपालन अभियंता अनसुईया ठाकुर, दुर्गेश नंदिनी देवांगन, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी संतोष साहू, विधि अधिकारी सुश्री रश्मि शर्मा, प्रकाशन अधिकारी माया चन्द्राकर एवं निज सचिव बीएस,राजपूत सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधे लगाकर कार्यक्रम में सहभागिता दी।

पौधारोपण आदत में होना चाहिए शामिल

क्षेत्रीय मुख्यालय परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कटहल, करंज, कैथ, कचनार, नीम, गुलमोहर, मौलश्री, पुत्रणजीवा, केशामिया आदि प्रजातियों के लगभग 50 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल ने कहा कि पेड़ जीवन वृद्धि और निरंतरता का प्रतीक होते हैं। ठीक वैसे ही माँ अपने बच्चों को जीवन देती है और उनका पालन-पोषण करती है। वृक्षारोपण कार्यक्रम से ना केवल पर्यावरण को लाभ होगा, बल्कि प्रकृति और माँ के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का एक अच्छा तरीका है। उन्होंने कहा कि माँ और प्रकृति दोनों ही जीवनदायिनी है। जीवनदायिनी ऑक्सीजन का एकमात्र स्रोत वृक्ष ही हैं। जीवन वृक्षों पर ही निर्भर है, इसलिए पेड़ लगाना आदत में शामिल होना चाहिए।

शैलदेवी महाविद्यालय
ADMISSION OPEN
BA (Home Science Geography)
BSc Maths CS/Bio
BCA AICTE Approved
BCom
MCom
MSW
MA Hindi
MSc Physics & Chemistry Computer Science
DCA
PGDCA
B.Lib
PG Diploma in YOGA
BEd
DElEd
BSc BEd
Anda, Durg
☎ : 9575037637, 6265377477

300 वर्ष पुराने गोबर के हनुमान और वर्षों से जल रही बाबा की धुनी, उमड़ते हैं आस्थावान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ निकुम

इस्पात नगरी भिलाई से महज 15 किमी.दूर स्थापित ग्राम नारधा ;मुरमुंदा के रुक्खड़नाथ मंदिर की महिमा दूर-दूर तक सुनाई देती है।यहां चैत्र व क्वांर नवरात्रि पर्व पर मनोकामना ज्योतिकलश जलती है,वही दशहरा व महाशिवरात्रि पर भव्य पूजा अर्चना होती है। यहां हर अवसर पर बड़ी संख्या में दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। इनमें ज्यादातर अपनी मनोकामनाएं लेकर आते है।

300 वर्ष पहले समाधि पर चले गये बाबा रुखक्ड़नाथ

जनश्रुति के अनुसार जिला –दुर्ग के विकासखंड धमधा का यह क्षेत्र जंगल था,तब से पंचदशानन जुन्ना अखाड़ा काशी से दशनाम सन्यासी यहां आकर आश्रम बनाकर रहे है। फिर वहीं पवित्र गौ गोबर से मंगल के स्वरुप हनमुान मंदिर उत्तर दिशा मुख विराजित हनुमान गरुड़ स्वरुप बरसों से है। माना जाता है कि इस क्षेत्र में सर्पदंश नही हुआ ,वही भैरव स्वरुप समाधि बनी है,इसके दर्शन व आराधना से संकट दूर हो जाते है,वही उत्तरमुखी गौ गोबर हनुमान की कृपा भक्तो बरसती है।

विशाल प्राचीन वृक्ष की छांव के मंदिर के गर्भगृह में समाधि ,जल रही धुनी

विशाल प्राचीन देववृक्ष पीपल के छांव में बाबा तपस्या करते थे, वही मंदिर के गर्भगृह लगभग 15 फीट जमीन के अंदर जीवित दिव्य योग साधना में 300 वर्ष पहले जनकल्याण के लिये समाधि में अंर्तध्यान में बाबा चले गये,जिसमें पुराने सीढ़ी नुमा मंदिर में बना है,वही मंदिर में पंचानन स्वरुप में साक्षात प्राचीन शिवलिंग के दर्शन के होते है वही हर शाम को आरती के समय गौ माता प्रसाद खाने मंदिर आती है। वही इस प्रांगण कई मंदिर बने है।

बावली की भी महिमा: इस मंदिर में देवबावली में कभी पानी नही सूखता है, इस पानी को भक्त घर में लाते है। मान्यता अनुसार इस पानी से घरों को पवित्र करते है जिससे घर में शांति रहती है।

कई पीढ़ी से गिरी महराज के वंशज कर रहे सेवा,पूजा

इस मंदिर में लगातार कई पीढ़ियो से गिरी बाबा के वंशज निस्वार्थ भाव से पूजा अर्चना कर रहे हैं, जिसमें मंदिर परिसर महाकाल के शिवभक्त ब्रह्मचारी मौनी गिरी,दौलत गिरी व गृहस्थ उत्तरगिरी,बंसत गिरी और खेमगिरी की समाधि बनी है,वही वर्तमान में इस मंदिर में पुजारी सुरेन्द्र गिरी भी सेवा दे रहे है,वहीं मंदिर में सुबह व शाम आरती होती है। पुजारी सुरेन्द्र गिरी ने बताया कि इस मंदिर में आते जाते रहते है,वही इस बाबा भोले नाथ के पंचानन स्वरुप व समाधि ,हनुमान जी की महिमा सब जानते है।

संतान सुख व मांगलिक कार्य के लिए भक्तों का तांता

इस मंदिर में निसंतान दंपती आकर करते है,मंदिर की परिक्रमा करने से भर जाती है,सुनी गोद,भक्त गण मुस्कुराते हुए जाते है,वही विवाह नही होने वाले युवक युवती भी आकर पुजा अर्चना करते है।

खबर संक्षेप

मुंबई में सम्मानित हुए गोपेश

सेलूद। मुंबई यंग इंडियंस मुंबई चैप्टर द्वारा आयोजित ₹ग्रामीण पहल 1.0 सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के गोपेश साहू सम्मानित किए गए। मुंबई के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज बोर्डरूम में हुए इस आयोजन में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा पर्यटन व संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने नवाचार से प्रेरित ग्रामीण भारत के भविष्य की दिशा तय करने पर जोर दिया। गोपेश साहू को ग्रामीण आजीविका संवर्धन और सामाजिक नवाचार में उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एवं अभिनेता जैकी श्रॉफ द्वारा प्रदान किया गया।

निधन

ममता निर्मलकर

निकुम। ग्राम निकुम भाटापारा निवासी 31 वर्षीय ममता निर्मलकर का निधन रविवार को हो गया। वे वन विभाग दुर्ग वाहन चालक जुगलकिशोर की धर्मपत्नी थी। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम निकुम में 21 जुलाई को दोपहर 12 बजे किया जाएगा। वे अपने पीछे पुत्र समीर और पुत्री गरिमा निर्मलकर सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई।

अंजलि बांधे

भिलाई। लिली 163 ,अ ब्लॉक,तालपुरी निवासी बिजली कंपनी के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता सावंत राम बांधे की धर्म पत्नी अंजलि बांधे का (57 वर्ष) निधन हो गया। अंतिम संस्कार रामनगर मुक्ति धाम में 21 जुलाई को 12 बजे किया जाएगा। श्रीमती बांधे आदिम जाति कल्याण विभाग के अंतर्गत ट्राइबल हॉस्टल की वार्डन थीं।

मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम में निगम का विशेष दस्ता

मौसमी बीमारियों की रोकथाम करने मैलाथियान और टेमीफास का छिड़काव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

नेहरू नगर के वार्ड 5 कोसानगर अंतर्गत दीक्षित कालोनी एवं वार्ड 29 स्थित वृंदानगर अटल आवास के समीप मच्छर जनित रोग डेंगू, मलेरिया से बचाव एवं मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम के तहत निगम का विशेष दस्ता एवं जिला मलेरिया विभाग के सर्वेलेंस कार्यकर्ताओं की संयुक्त टीम द्वारा घर-घर जाकर सर्वेक्षण एवं स्प्रेयर पम्प द्वारा मच्छर लार्वा नियंत्रण हेतु पानी मिश्रित एक्यूगार्ड एवं व्यस्क मच्छरों के नियंत्रण हेतु पानी मिश्रित मैलाथियान का छिड़काव कार्य संपादित किया गया। सभी सर्वेक्षित घरों में मच्छर रोधी आवश्यक स्वास्थ्य शिक्षा एवं पाम्पलेट वितरण में वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक केके सिंह, सुदामा परगनिया एवं जिला मलेरिया विभाग से मोहन राव व उमेश कपूर का विशेष सहयोग रहा। वार्ड क्रं. 44 लक्ष्मी नारायण नगर के गोकुल नगर लाईन में मौसमी बिमारियों की रोकथाम के लिए टेमिफास का छिड़काव लगातार जारी है। बरसात का पानी घर के बाहर रखे पात्रों में भर जाने के कारण मच्छर पनपने लगते हैं। जिससे बिमारियां होने की संभावना ज्यादा बनी रहती है। समस्या को दृष्टिगत करते हुए आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी को दवाई छिड़काव कराने निर्देशित किए हैं। जोन 4 के स्वास्थ्य विभाग की टीम डोर-टू-डोर वार्डो में जाकर घरों के अंदर कुलर, पुराने टायर, पानी की टंकियों एवं अन्य जल भराव वाले सामग्रियों की जांच कर टेमिफास दवाई का छिड़काव कर रहे है, जिससे मौसमी बीमारी न फैले।

पाटन महाविद्यालय के प्राचार्य के खिलाफ एनएसयूआई का आंदोलन, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पाटन

शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कालेज पाटन में व्याप्त समस्याओं और प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा पर मनमानी का आरोप लगाते हुए एनसयूआई के छात्र नेताओं ने आंदोलन किया ।

एनएसयुआई के अध्यक्ष युवराज साहू ने आरोप लगाते हुए कहा कि जनभागीदारी शुल्क में 100 रूपये की वृद्धि की गई जबकि

- प्राचार्य ने ज्ञापन नहीं लिया और फोटो भी नहीं खिंचवाई

कालेज प्रबंधन के पास लाखो रूपये पहले से है जिनको खर्च नहीं कर पा रहे है विद्यार्थियों से लिए जा रहे जनभागीदारी शुल्क से प्राचार्य कक्ष को सजाया जा रहा है। छात्र छात्राओं को कोई सुविधा नहीं दी जाती है। छात्र नेता उमाशंकर ने बताया कि 1 जुलाई से अध्यापन प्रारम्भ करने का आदेश उच्च शिक्षा विभाग से दिया गया है लेकिन आज तक पाटन कालेज में संचालित स्नातकोत्तर एमए और एम एस सी तृतीय सेमेस्टर की कक्षाओ में प्रवेश के लिए अभी तक सूचना नहीं निकाली गई है जिसके कारण कोर्स पूरा होने से पिछड़ रहा है। इसके अतिरिक्त एनसयूआई ने प्राचार्य पर प्रवेश के समय पालको के कॉलेज अंदर पाए जाने पर दुर्व्यवहार, टी सी समय पर नहीं दिए जाने, अंकसूची नहीं मिलने और प्राचार्य द्वारा प्राध्यापको को प्राचार्य कक्ष में बार बार बुलाने से पढ़ाई प्रभावित होने, अस्थाई कर्मचारियों को जनभागीदारी सदस्य के यहाँ निजी कार्य करने भेजने आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौपा। छात्र नेताओं के मुताबिक प्राचार्य ने ज्ञापन नहीं लिया।

युवराज साहू ने मांग की कि जनभागीदारी शुल्क में की गई वृद्धि तत्काल वापस ले या फिर शुल्क वृद्धि का कोई ठोस योजना बताये साथ की समस्याओ का निराकरण एक सप्ताह में नहीं किया तो तो एनसयूआई द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा।

इस अवसर पर डेविड बघेल, इकेश वर्मा, पंकज यादव, विकास साहू, शिवम यादव, निक्की वर्मा, याशु देवांगन, साहिल छेदैया, सोनू ओझा, देवेंद्र यदु, हर्ष चंद्राकर सहित बडी संख्या ने एनसयूआई के सदस्य व छात्र छात्राये उपस्थित थे। ज्ञात हो की हाल ही में मई. में पाटन कालेज की छात्र छात्राओं ने पढ़ाई नहीं होने और कोर्स अधूरा रहने की शिकायत उच्च शिक्षा विभाग में की थी जिसके लिए क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग की जाँच कमेटी जाँच करने भी आई थी।

संडे ऑन सायकल में उत्साह के साथ शामिल हुए नागरिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उतई

केंद्रीय विद्यालय, सीआई.एसएफ, भिलाई में संडे ऑन सायकल का भव्य आयोजन रविवार को सुबह 6:30 बजे किया गया। जिसमें विद्यालय के युवा टूरिज्म क्लब , विद्यार्थीगण, अभिभावकगण और शिक्षक- शिक्षिकाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्राचार्य भुबनेश्वरी ने कहा कि फिट इंडिया - रविवार को साइकिल पर - मोटापे के खिलाफ लड़ाई है। यह पहल साइकिलिंग को एक टिकाऊ, समावेशी और पर्यावरण-अनुकूल व्यायाम के रूप में बढ़ावा देती है जिसके अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं। इस अवसर पर अभिभावक , केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के अधिकारी और जवान, शिक्षक-शिक्षिकाएं - रूना चौधरी, गीतू, सोमा शील गुहा, सुनीता गावंडे, सृजन, अनिल कुमार शर्मा, एबी सिंह, रीना साहू , शैलेश बेंजामिन आदि मौजूद थे।

शॉप कम्युनिकेशन फोरम का आयोजन भिलाई। बीएसपी के पावर एवं इलेक्ट्रिकल विभाग के लिए शॉप कम्युनिकेशन फोरम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फोरम में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नीतिगत अद्यतनों एवं कल्याणकारी उपायों से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे। प्रश्नों का समाधान महाप्रबंधक एसके सोनी, व अन्य ने किया।

ठेकेदार की लापरवाही से पुल अधूरा बारिश में हलाकान हो रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंडा

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में सरकारी सिस्टम के सुस्त रवैये से 4 साल बाद भी निर्माणाधीन पुल का काम अधूरा है।

छत्तीसगढ़ रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर

- आम जनता हलाकान हो रही और जवाबदार लोग मौन साधे हुए
- काम पूरा होने का इंतजार

डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुताबिक जंजगिरी नाला पर उच्चस्तरीय पुल तक पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य की संभावित तिथि 9 दिसंबर 2022 थी। लेकिन यह परियोजना 4 वर्ष में भी पूरी नहीं हुई है। जंजगिरी नाला में बारिश के मौसम में आसपास का पानी आने से आवागमन प्रभावित हो जाता है। पुल बन जाने से ग्रामीणों को परेशानी दूर हो जाती। लेकिन पुल निर्माण का कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है उसकी घेराबंदी भी नहीं की गयी है। ग्रामीणों के आवागमन के लिए डायवर्सन बनाया गया है। लेकिन बरसात में ग्रामीणों को कीचड़ से होकर मजबूरी में आवागमन करना पड़ रहा है।पुल निर्माण के गड्ढे में बारिश होने पर तेज बहाव से कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है। इस देरी के कारणों का पता लगाने ठेकेदार और परियोजना के अधिकारियों से संपर्क किया गया लेकिन दोनों ने अपना फोन बंद कर दिया। ठेकेदार की लापरवाही के कारण आम लोगों को आने जाने में बहुत ही कठिनाइयों का समाना करना पड़ रहा है।

अंचल व शहर की खबरें

स्कूली बच्चों को दी शैक्षणिक सामग्री

उतई। सरवती देवी बनारसी दास फरमानिया चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से स्थानीय शासकीय स्कूलों में लगभग 622 बच्चों को शैक्षणिक सामग्री बांटी गई। इनमें शासकीय प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला बोरिगारका के 98, बारीडीह के 21 , पाउवारा के 202, कोड़ियां के 181 , कोकड़ी के 120 बच्चों को ट्रस्ट के संस्थापक सुरेश फरमानिया ने कॉपी,पेन,स्कूल बैग,पहाड़ा व कंपास का वितरण किया। उपहार पाकर बच्चो का चेहरा खिल गया। सुरेश फरमानिया के सेवाभाव को देखते हुए पाउवारा के शिक्षकों और दुर्ग जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी ने उन का शॉल श्रीफल देकर सम्मान किया 1 इस अवसर पर शिक्षक गिरीश साहू ने बताया कि सरवती देवी बनारसी दास फरमानिया ट्रस्ट विगत 12वर्षों से सरकारी स्कूलों में बच्चो को स्वेटर, कॉपी, पुस्तके,कंपास, स्कूल बेग आदि का वितरण छात्रहित में निस्वार्थ भाव से कर रहा हैं। शिक्षा सत्र 2025—26 में अभी दुर्ग जिला के लगभग 4362 बच्चो को शैक्षणिक सामग्री का वितरण सुरेश फरमानिया द्वारा किया जा चुका है। शैक्षणिक सामग्री वितरण कार्यक्रम के दौरान दीपक साहू , कुमार साहू, चुमन यादव सरपंच बोरीगारका, मीना यादव संरपच पाऊवारा, युगल चन्द्राकर सरपंच कोकड़ी, दिलीप साहु, होमन साहु, संकुल समन्वयक रंजना देशमुख, प्रधान पाठक तेजेश्वरी गौनरे , लक्ष्मी चन्द्राकर और संदीप यादव सहित सभी स्कूलों के शिक्षक व वरिष्ठ जन आदि उपस्थित थे।

श्रमदान से वार्ड 58 में विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपे

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रंमांग 5 अंतर्गत निगम

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय एवं जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता द्वारा सेक्टर 4 अंतर्गत वार्ड 58 सड़क 25-26 के मध्य उद्यान में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उददेश्य से वृक्षारोपण किये । उद्यान के अंदर पर्यावरण के अनुकुल पौधे जामुन, कटहल, अमरूद, कनेर, बोगन बिलिया, मौलश्री जैसे विभिन्न प्रजाति के स्थानीय पौधो का रोपण किया गया। जिससे हरियाली को बढ़ावा एवं वायु प्रदुषण को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। वृक्षारोपण के दौरान पूर्व पार्षद रिंकू साहू, कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, उप अभियंता श्वेता महेश्वर, सहायक उद्यान अधिकारी संजय शर्मा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे, वरिष्ठ नागरिक दशरिती भोई, सुनिता तिवारी, राजेश सिंह, मोहिनी एवं अन्य मोहल्लेवासी की उपस्थिति में पौधा रोपण किया गया। साथ ही सभी मिलकर श्रमदान किए एवं पौधो की सुरक्षा हेतु संकल्प लिए। नेहरू नगर स्थित कोसा नाला गौ आश्रय केन्द्र का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत के साथ किए। गौ आश्रय केन्द्र में रखे पशुओं के खान-पान व्यवस्था की जानकारी प्राप्त किए। साफ-सफाई, पशुओं की देखरेख एवं चिकित्सा व्यवस्था के संबंध में चर्चा किए। गौ आश्रय केंद्र भ्रमण के दौरान सहायक अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा उपस्थित रहे।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स को ग्राहकों का मिल रहा बेहतर प्रतिसाद

भिलाई। शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट प्रिया श्रृंगार सदन के सामने शॉप नंबर 64बी में स्थित ओम ज्वेलर्स दुर्ग अपने ग्राहकों के हितों के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। जहां आपको मिलता है भारत सरकार द्वारा huid पास टोटल हॉलमार्क के गहनों का विशाल रेंज उपलब्ध है। जिसमें नये व पुराने ग्राहकों को 100 प्रतिशत संतुष्टी निश्चित होकर गहने खरीद सकते हैं। साथ ही गहनों मे टूट फुट की 2 साल की रिपेरिंग फ्री की सुविधा उपलब्ध है। मनपसंद

कलात्मक ज़ेवर, ग्राहकों के रुपयों के अनुरूप कम कीमत से ज्यादा क़ीमत पर एक से एक नई नई डिजाइन उपलब्ध रहता है, दिवाली व शादी विवाह के सीजन को देखते हुए लाइट वेट से अधिकतम वेट की ज्वेलरी में सोने के नेकलेस, झुमका, बाली, एरिंग टॉप्स, रानी हार, चोकर.चांदी में पायल कमरबंद, बाजूबंद बिछिया, ऑल सोने चांदी की एक से बढ़कर एक वैरायटियों का नई-नई डिजाइन का विशाल रेंज उपलब्ध है। वहीं दूल्हे दुल्हन के लिए खास टूर बैग, इम्पोर्टेन्ट वॉच, जितना सोना उतना चांदी फ्री ग्राहकों की तत्काल गिफ्ट दिया जाता है। क़ीमत भी सबसे कम चीप दर पर गहने प्रदान किया जा रहा है और भी विशेषताएं प्रदान की जाती है। जैसे अपने पुराने सोने को नये जैसे बनाए वो भी बिना नुकसान के बिना वजन कम हुए तत्काल, पुराने सोने चांदी की 100 प्रतिशत मूल्यों के साथ वापसी, पुराने सोने-चांदी का तत्काल रिपेरिंग, मंगलसूत्र गुथायी 0 चार्जेबल पर, किसी भी गोल्ड के गहने पर 100 प्रतिशत वापसी, हमारी संस्थान में किसी भी प्रकार के गहने, जेवरों का पेमेंट घर से करने की सुविधा उपलब्ध, सभी प्रकार की चेक स्वीकार किए जाते हैं, आल एटीएम, डेबिट, क्रेडिट कार्ड स्वीकार किये जाते हैं, भारत सरकार द्वारा प्रमाणित 916.(22c)833(20c)750(18c)टोटल हॉलमार्क की गहने की भरपूर रेंज उपलब्ध, हर दस हजार की खरीदी पर चांदी की मूर्ति फ्री, हमारी संस्थान ग्राहकों को अच्छी क्वालिटी व गुणवत्ता की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

28 को हजारों की संख्या में टोलाघाट पहुंचेंगे कांवड़िया

कांवड़ यात्रा को लेकर जन-जन उत्साहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पाटन

पवित्र श्रावण मास के तीसरे सोमवार को बोल बम कांवड़ यात्रा समिति, पाटन द्वारा भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन 28 जुलाई को किया जा रहा है। यह यात्रा पुराना बाजार पाटन से प्रारंभ होकर टोलाघाट तक जाएगी, जिसमें सैकड़ों शिवभक्त भगवा वस्त्र धारण कर हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों के साथ सहभागी बनेंगे। कांवड़ यात्रा को भव्य और दिव्य बनाने के लिए समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा के मार्गदर्शन में गांव–गांव में बैठकों और तैयारियों का दौर चल रहा है। इस संदर्भ में ग्राम सेलूद, पतोरा, पाटन एवं टोलाघाट में बैठक सम्पन्न हुई। समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा ने बैठक में यात्रा की रूपरेखा की जानकारी दी और यात्रा को अधिक भव्य, सुरक्षित व अनुशासित रूप देने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। पिछले वर्षों की समीक्षा करते हुए इस बार यात्रा में नए उत्साह के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं भक्तिमय वातावरण निर्माण के साथ जल संरक्षण पर विशेष बल दिया गया है। टोलाघाट में प्रसिद्ध सांस्कृतिक एवं भक्तिमय गायिका पायल साहू की संगीतमय प्रस्तुति, जो श्रद्धालुओं को शिवभक्ति में सराबोर करेगी। यात्रा के संयोजक जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि श्रावण मास में कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि हमारी आस्था, एकता और शिवभक्ति का प्रतीक है। बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले,भाजपा पाटन मण्डल अध्यक्ष रानी बंछोर, विनोद साहू, दिलीप साहू,खेमलाल साहू, केशव बंछोर,निशा सोनी, रवि सिन्हा, गिरधर वर्मा, सुरेश निषाद, दिव्या कलिहारी साहू, प्रवीण मढ़रिया, राकेश आडिल, भावना निषाद,विष्णु निषाद,केवल देवांगन,अमित वर्मा,संतराम कुम्भकार, सुनील वर्मा,राजेन्द्र वर्मा, नीलमणी साहू,संतोष घिरवानी, संगीता धुरंधर, चंद्रप्रकाश देवांगन, अन्नपूर्णा पटेल,विनोद बाग, देवेन्द्र ठाकुर,मनोज वर्मा, अनुपम साहू,चनद्रिका साहू, रेणुका बिजौरा, अवधेश ठाकुर, गुलशन सोनी, कुणाल वर्मा, घनश्याम सोनी, भुनेश्वर साहू, देवचरण कौशल, टीकाराम देवांगन , हर प्रसाद आडिल गोरेलाल श्रीवास , सनत वर्मा, चित्र सेन कलिहारी राजीव साहू ,शशिकांत देवांगन ,मनोज साहू ,राधेश्याम साहू ,करण साहू ,हेमचंद ठाकुर , महेंद्र साहू, सरस्वती साहू आदि मौजूद थे।

हरिराज रेस्टोरेंट व बाटा शोरुम सहित तेरह दुकानों के संचालकों पर बीएसपी ने ठोका सरचार्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

टाउनशिप के सबसे प्राइम लोकेशन में स्थित सबसे बड़े बाजार सिविक सेंटर मार्केट के कई व्यवसायियों द्वारा अवैध रुप से व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का संचालन किया जा रहा है। व्यावसायिक काम्पलेक्स में स्थित प्रथम तल की दुकान के साथ ऊपर रहने के आवंटित आवास में भी दुकानों का संचालन किया जा रहा है। बीएसपी द्वारा ऐसी दर्जनभर दुकानों में अतिरिक्त निर्माण करने को लेकर व्यवसायियों को नोटिस जारी कर सरचार्ज ठोका गया है। यह पेनाल्टी हजार से दस हजारु रुपए मासिक है, जबकि व्यवसायी लाखों रुपए का व्यवसाय कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि बीएसपी द्वारा 1970 के दशक में टाउनशिप के मध्य में स्थित दोमंजिला रेसिडेंशियल कम कमर्शियल काम्पलेक्स का निर्माण किया गया था। यहां पचास दुकानें हैं। व्यवसाइयों को नीचे दुकान और ऊपर रहने के लिए आवासीय उद्देश्य से इन्हें अलाट किया गया था। एग्रीमेंट की नियम शर्तों में रेसिडेंस का उपयोग कर्मशियल काम के लिए नहीं किया जा सकता है। लेकिन अनेक दुकानदारों द्वारा नियमों को धता बताते हुए अपनी नीचे स्थित दुकान के साथ द्वितीय तल के मकान में भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान तान लिये गए हैं। यह लीज शर्तों का उल्लंघन है। बीएसपी के नगर सेवाएं विभाग के शाप्स अनुभाग द्वारा 13 दुकानों के व्यवसायियों को अतिरिक्त निर्माण किए जाने को लेकर नोटिस जारी कर पेनाल्टी (सरचार्ज) ठोका गया है।

सिविक सेंटर मार्केट में कई ने किए अतिरिक्त निर्माण, रेसिडेंशियल का कमर्शियल उपयोग

बीएसपी में पैनल चार्ज लगा झाड़ा पल्ला

सिविक सेंटर मार्केट में शांप नं. 1, शाप नं. 2, शांप-3 व शांप 4 यानी नीचे और ऊपर की चारों दुकानों व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है। रेस्टारेंट के संचालक ने यह चारों दुकानें टाटा शोरुम से खरीदी थीं। इसके अलावा शांप नं. 8, 15, 22, शांप नं. 26,29, 34,38, 42 और शांप नं. 46 की दुकानों में भी अतिरिक्त निर्माण किए जाने को लेकर पैनल चार्ज लगाया गया है। सभी तेरह दुकानों के संचालकों को एक से दस हजार रुपए सरचार्ज लगाया गया है। सूत्रों के मुताबिक यह पेनाल्टी अतिरिक्त निर्माण को लेकर लगाई गई है। बाटा के शोरुम की तीन दुकानों शाप नं. 48,49 व शाप 50 पर 20 लाख रुपए की आउटस्टैंडिंग बकाया है। लेकिन बीएसपी द्वारा सभी पर अतिरिक्त निर्माण बताकर सरचार्ज ठोक अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली गई है।

खबर संक्षेप

चाकू लेकर लोगों को डराने वाला धरा गया

भिलाई। चाकू लेकर लोगों को डराने धमकाने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि बटनदार लोहे का धारदार चाकू लेकर लोगों डराने वाले राजीव नगर सुपेला निवासी रोशन यादव को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। कार्रवाई में सुपेला थाना प्रभारी विजय यादव समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

सेलून दुकान संचालक पर हमला, तीन गिरफ्तार

भिलाई। सेलून संचालक पर चाकू से हमला करने वाले तीन आरोपियों को खुर्सीपार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि संचालक सोनिया गांधी नगर खुर्सीपार निवासी मोहम्मद अपरान के दुकान में आरोपी मो. जफर, मनीष सिन्हा, कृष्णा राजभर पहुंचे। शराब पीने के लिए आरोपियों ने संचालक से रुपए का डिमांड किया। रुपए नहीं देने पर हमला कर फरार हो गए। आरोपी मो. जफर ने अपने पास रखे चाकू से पीड़ित पर हमला किया। पुलिस ने जफर, मनीष, कृष्णा राजभर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों रो न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

वर्षा जल को संग्रहण करने की योजना अधूरी, से.3 डबरी तीन भी पटा

टाउनशिप में तालाब बनाकर जल संरक्षण करने की योजना ठंडे बस्ते में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

टाउनशिप में दो दशक पूर्व वर्षा के जल को संग्रहण करने सभी सेक्टर में छोटे छोटे तालाब (पौंड) निर्माण कराए जाने की योजना अब तक ठंडे बस्ते में पड़ी है। इससे बारिश का पानी व्यर्थ बहकर नष्ट हो रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत एक तलाब के गड्ढे का उपयोग लोग कूड़ेदान के रूप में कर रहे हैं।

गौरतलब हो कि वर्ष 2001-02 में नगर निगम द्वारा मानसून में बारिश के पानी को संग्रहण करने के लिए हर सेक्टर में छोटे छोटे तालाब निर्माण किए जाने का प्रस्ताव बीएसपी को दिया था। तालाबों के खनन के लिए एनओसी मांगी गई थी। छोटे छोटे तालाबों का निर्माण किए जाने का उद्देश्य वर्षा के व्यर्थ बहने वाले पानी को संग्रहित कर गर्मी में जल स्तर को बनाए रखने के लिए किया जाना था। इसके तहत सेक्टर 1 फ्लाईओवर के निकट और सेक्टर 3 में सीआईएसएफ कार्यालय के निकट इस तरह के पौंड बनाए भी गए थे। सूत्रों के मुताबिक इसी तरह अन्य सेक्टरों में भी छोटे छोटे तालाब खनन की योजना थी। लेकिन यह योजना आगे मूर्त रूप नहीं ले पाई। सेक्टर 1 तालाब के गड्ढे का उपयोग आसपास के लोग ट्रेंचिंग ग्राउंड की तरह कर रहे हैं। वहीं सेक्टर 3 का डबरीनुमा तालाब भी पटने की स्थिति में है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि यदि हर सेक्टर में तालाब निर्माण की योजना सफल होती तो बारिश के मौसम में टाउनशिप में जलजमाव की समस्या को नियंत्रित करने में मदद मिलती और तालाबों में संग्रहित जल से आसपास का भूजल स्तर डाउन नहीं होता।

सेक्टर 1 तालाब का गड्ढा बना कूड़ादान

सेक्टर 2 व 7 तालाब का हुआ गहरीकरण

उल्लेखनीय है कि सेक्टर 2 और सेक्टर 7 तालाब का नगर निगम कायाकल्प कर चुका है। वर्ष 2013-14 में नगर निगम भिलाई द्वारा सरोवर धरोहर योजना के तहत सेक्टर 7 में कल्याण कालेज के सामने वर्षों पुराने डबरीनुमा गंदे तालाब का गहरीकरण व सौंदर्यीकरण कराया चुका है। वार्ड पार्षद लक्ष्मीपति राजू के प्रयास से यह तालाब संधारण के बाद एक रमणीक व धार्मिक स्थल (शिवधाम) के रूप में विकसित किया चुका है। तालाब में चारों ओर घाट, भगवान शिव की भव्य मूर्ति और फूलों के पौधे लगे हैं। श्रद्धालुओं के अलाव यंगस्टर भी यहां आते हैं। निगम द्वारा सेक्टर 7 के अलावा सेक्टर 2 के पुराने तालाब का भी गहरीकरण व सौंदर्यीकरण कर आकर्षक बनाया जा चुका है? यहां भी चारों ओर घाट व फाउंटेन लगाया गया है और छठपर्व पर मेला लगता है।

7 साल पूर्व सेक्टर 5 में भी निर्माण

नगर निगम भिलाई द्वारा 7 साल पूर्व सेक्टर 5 में भी नया तालाब का निर्माण कराया गया था। शहीद पार्क के रूप में विकसित उद्यान के बीचोंबीच स्थित तालाब में म्यूजिक फाउंटेन लगाने के साथ शहीदेआजम भगत सिंह की आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई है। तालाब कम पार्क को एक पिकनिक स्पांट के रूप में विकसित किया गया है। वहीं बीएसपी द्वारा जवाहर उद्यान भी दस साल पूर्व पौंड खनन किया जा चुका है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि सेक्टर 5, 2 व सेक्टर 7 तालाब की तरह अन्य सभी सेक्टरों में भी तलाब निर्माण कराए जाने की जरूरत है। जयंती स्टेडियम के पीछे तालाब गंदगी से पटा पड़ा है और वीरान इलाका होने से यहां नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है।

सांसद बघेल ने बच्चों के साथ की साइकिलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बीएसपी साइकिलिंग क्लब और छत्तीसगढ़ साइकिलिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में संडे ऑन साइकिलिंग का आयोजन प्रगति भवन, सिविक सेंटर में सुबह 8 बजे किया गया। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने सायकल चलाकर प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए भविष्य में और मेहनत करने का आव्हान किया। अध्यक्षता ओए-बीएसपी के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर ने की।

- ओए का संडे आन साइकिल

माँ सारदा सेवा समिति की ओर से साइकिलिंग क्लब को दो रोलर्स प्रदान किया गया। यह सहायता राशि पवन कुमार शर्मा द्वारा साइकिल एसोसिएशन को सौंपी गई। विनायक चन्नावार ने बताया कि ये रोलर बारिश के मौसम में इनडोर प्रशिक्षण एवं वार्मअप में सहायक होगे। प्रतीक मनोध्या साइकिलिंग कोच और खिलाड़ी राहुल निर्मलकर ने रोलर पर साइकिल चलाकर प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में सुधीर बंसल, रमेश श्रीवास्तव, अध्यक्ष, साइकिल पोलो एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़, नंदनवार, साइकलिंग एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़, बालक दास डहरे, बिस्वराम साहू, खेल प्रशिक्षक, खमरिया, बीआर साहू, अंतरराष्ट्रीय मास्टर एथलीट आदि विशिष्ट अतिथि थे। इस आयोजन के दौरान 100 से अधिक बच्चों ने सांसद विजय बघेल, ओए अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर, महासचिव परविन्दर सिंह के साथ साइकिलिंग किया। कार्यक्रम का संचालन ओए महासचिव परविन्दर सिंह ने आभार प्रदर्शन किया।

धर्मांतरण को लेकर कैलाश नगर में बवाल, जमकर हुई नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

धर्मांतरण कराने के मामले को लेकर हिंदूवादी संगठन ने कैलाश नगर में जमकर बवाल किया। इसके बाद जामुल पुलिस मौके पर पहुंची और कुछ लोगों को थाने लेकर गई। पुलिस आरोपी पक्ष से पूछताछ कर रही है। जामुल थाना से मिली जानकारी के मुताबिक कैलाश नगर हाउसिंग बोर्ड में रविवार को एक कमरे में कुछ लोगों द्वारा प्रार्थना सभा का आयोजन किया था। इसकी सूचना पाकर बजरंग दल और हिंदू संगठन के लोग वहां पहुंच गए और हंगामा करने लगे। बजरंगियों का आरोप था कि जिस कमरे में लोगों की भीड़ जुटी हुई थी, वहां धर्मांतरण कराया जा रहा था। लंबे समय से यहां धर्मांतरण का खेल जारी है। इस दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उक्त मकान के समाने नारेबाजी भी की। माहौल गर्म होता देख पुलिस लाइन से फोर्स भी मंगाई गई। पुलिस मकान के भीतर में प्रार्थना कर रहे लोगों को थाने लेकर गई। पुलिस ने सभी से पूछताछ की। जामुल पुलिस का कहना है कि मामले में जांच जारी है।

- जामुल थाना क्षेत्र की है घटना

जांच की जा रही है

"सूचना मिली थी कि बजरंग दल के कुछ कार्यकर्ता नारेबाजी कर रहें है। कार्यकतार्ओ का आरोप था कि प्रार्थना सभा के नाम पर वहां धर्मांतरण किया जा रहा है। इस कारण वे लोग यहां पर पहुंचे थे। फिलहाल इसकी जांच की जा रही है।

हरिश पाटिल, सीएसपी छावनी

जेएलएन अस्पताल में पैरामेडिकल स्टाफ का टोटा, मरीजों को परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बीएसपी के सेक्टर नौ जेएलएन हास्पिटल पैरामेडिकल स्टाफ की कमी से दोतरफा दबाव बढ़ रहा है। मरीजों के साथ विभागीय कर्मचारियों को भी वर्कलोड की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में आउटसोर्स से होने वाली अब तक नही हुई है। यूनियनों ने स्थाई कर्मियों और चिकित्सकों की जल्द भर्ती की मांग की है।

- मरीजों की बढ़ी परेशानी स्टाफ पर भी वर्कलोड
- हिंदुस्तान लेटेक्स कंपनी की लटकी नर्सों व फार्मासिस्ट की आउटसोर्सिंग भर्ती

उल्लेखनीय है कि पिछले एक दशक के दौरान सेक्टर नौ मेन हास्पिटल में आधे से अधिक मेन पावर रिटायर हो चुका है। लेकिन सेवानिवृत्त होने वाले चिकित्सकों, नर्सो और वार्ड ब्याय आदि की भर्ती नहीं हुई है। कुछ विशेषज्ञ चिकित्सक अन्य निजी अस्पतालों से हायर किए गए हैं। लेकिन इनकी तादाद नगण्य है। इसी तरह की समस्या पैरामेडिकल स्टाफ की भी बनी हुई है। दो माह पूर्व यूनियनों को अस्पताल प्रबंधन द्वारा जल्द भर्ती का आश्वासन दिया गया था। इसके तहत हिंदुस्तान लेटेक्स लिमिटेड कंपनी द्वारा आउटसोर्स पर नर्सों, वार्डव्याय व फार्मासिस्ट आदि स्टाफ की भर्ती होनी थी। इनके अलावा विभाग प्रमुख द्वारा जल्ज डाक्टरों की भी नियुक्ति का आश्वासन दिया गया था। लेकिन अब तक परिणाम शून्य होने का खामियाजा मरीजों और स्टाफ को भुगतना पड़ रहा है। इंटक के मुताबिग हिदुस्तान लेटेक्स लि. के माध्यम से पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती नही होने से मेन हास्पिटल के व हेल्थ सेटरों में भी स्टाफ की किल्लत से मरीजों को परेशानी हो रही है। सीटू यूनियन ने आउटसोर्स की बजाए सीधे सेल से भर्ती की मांग की है।

एमएससी व बीएससी नर्सिंग स्टूडेंट्स का सहारा

सेक्टर नौ हास्पिटल में आधा दर्जन से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित बीस से अधिक डाक्टरों की कमी है। हार्ट, न्यूरो फिजिशियन, गेस्ट्रोलाजिस्ट, मनोरोग विशेषज्ञ आदि स्पेशलिस्ट नहीं हैं। आउटसोर्स पर एक हदयरोग विशेषज्ञ दिल्ली से पंद्रह दिन में एक बार व रायपुर के निजी अस्पताल से 4 डाक्टरों की सेवाएं ली जा रही हैं। लेकिन रात में बीएसपी का अपना फुलफ्लैश हृदयरोग विशेषज्ञ नहीं है। इसके चलते गंभीर मरीजों को बाहर रिफर किया जाता है। पैरामेडिक स्टाफ कम होने से अधिकतर वार्डों में नर्सों व डाक्टरों पर वर्कलोड बढ़ रहा है। यूनियनों के मुताबिक सुबह ट्रेनिंग के लिए आने वाली बीएससी व एमएससी नर्सिंग छात्रों का सपोर्ट मिल जाता है लेकिन सेकंड हाफ से रात तक किल्लत बनी रहती है।

गांजा का कारोबार करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। अवैध रूप से गांजा का कारोबार करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रविशंकर स्टेडियम दुर्ग मानस भवन के पास से गांजा बेचते दो युवकों को पकड़ा। पूछताछ करने पर युवकों ने तुगला, पोष्ट, नयापारा, थाना राजा खरियार, जिला नयापारा, उड़ीसा, हाल पता- पॉलिटेक्नीक कॉलेज दुर्ग, चपरासी कॉलोनी, थाना पदमनाभपुर निवासी अंतगुरू नागेश, चंदन सोनी बताया है। आरोपियों से पुलिस ने अंतगुरू नागेश से 1.300 किलो ग्राम गांजा 6 हजार रुपए का, मोबाइल कुल जुमला कीमत 26 हजार रुपए आंकी गई। आरोपी चंदन सोनी से नगदी तीन सौ रुपए मोबाईल जब्त किया। जिसकी कीमत 20 हजार 3सौ रुपए है। कुल सामानों की कीमत 46 हजार रुपए की है। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से जेल दाखिल किया गया है।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

केनाल रोड के लिए 29 करोड़ 71 लाख 53 हजार की मिली स्वीकृति

भिलाई-चरोदा में भी बनेगी 5 किलोमीटर लंबी केनाल रोड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा में भी भिलाई की तरह केनाल रोड का निर्माण किया जाएगा। यह रोड 5 किलोमीटर लंबी होगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने पहले चरण के काम के लिए 29 करोड़ 71 लाख 53 हजार राशि की स्वीकृति दे दी है।

- नगरीय प्रशासन और विकास विभाग ने राशि स्वीकृति दी

जानकारी के मुताबिक केनाल रोड का निर्माण तांदुला शाखा नहर पर डबरा पारा से चरोदा के इंदिरा नगर तक बनना है। इसकी लंबाई करीब 5 किमी तक होगी। डिप्टी सीएम, नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा को पत्र प्रेषित कर इसकी जानकारी दी है। भिलाई-चरोदा के डबरा पारा से उरला दुग्ध डेयरी तक कुल 9 किमी लंबी तांदुला शाखा नहर है। इसी नगर के किनारे केनाल रोड बनाने का प्रस्ताव दिया गया है।

इस पूरे निर्माण में करीब 48 करोड़ रुपए खर्च होने का प्रस्ताव दिया गया है। शासन से राज्य बजट में पहले चरण के रूप में 29 करोड़ 71 लाख 53 हजार रुपए का प्रावधान रखा था। अब नगरीय प्रशासन विभाग विभाग ने अधोसंरचना मद, मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना अंतर्गत राज्य बजट में हुई घोषणा के अनुरूप राशि स्वीकृत कर दी गई है। पूरी गुणवत्ता के साथ केनाल रोड का निर्माण होने का आग्रह भी किया गया है। शुरुआती सर्वे व अन्य जरूरी औपचारिकता पूरी करने के बाद नगर निगम के शासन को प्रेषित केनाल रोड के प्रस्ताव पर राज्य सरकार के वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल किया।

ट्रैफिक का दबाव काफी कम होगा

इस स्वीकृति के बाद पहले चरण में डबरा पारा भिलाई-3 की ओर सिरसा चौक होकर इंदिरा नगर तक केनाल रोड का काम शुरू होगा। इसके बाद अगले दूसरे चरण में सिरसा चौक से चरोदा होते हुए उरला दुग्ध डेयरी वाली सड़क से केनाल रोड को जोड़े जाने का प्रस्ताव है। इस रोड के बनने से भिलाई तीन से चरोदा के बीच फोरलेन सड़क पर ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा।

विकास के लिए राशि की कमी नहीं

केनाल रोड और सिरसा चौक के विकास के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा राशि प्रदान किए जाने की स्वीकृति मिली है।अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में विकास के लिए राशि की कोई कमी नहीं होगी। सीएम, डिप्टी सीएम का आभार है।जिन्होंने विकास के लिए राशि स्वीकृति प्रदान की।

-डोमनलाल कोर्सेवाडा, विधायक अहिवारा

प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था

प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था। केनाल रोड के बनने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को काफी राहत मिलेगी। ट्रैफिक पर दबाव कम होगा।मीडिल कट बंद होने से लोगों को दिक्कत हो रही है लेकिन इसके बनने से मिलेगी सुविधा। राशि स्वीकृत हुई है।

-निर्मल कोसरे, महापौर भिलाई-चरोदा निगम

हरिभूमि लाइव

रायपुर, सोमवार 21 जुलाई 2025

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

04

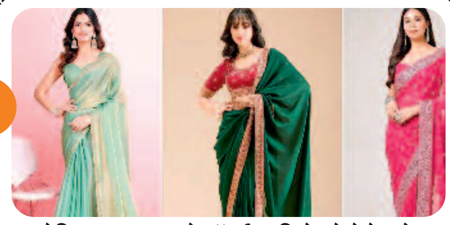

ट्रेडिशनल लुक पाने मॉडर्न साड़ियों को ऐसे करें स्टाइल, निखरेगा रूप

लाइव इवेंट

40 नवजातों और माताओं को दी गई सेवा किट और मल्टीविटामिन

भिलाई। रोटरी क्लब ऑफ़ भिलाई पिनेकल ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल करते हुए दुर्ग जिला अस्पताल में मातृ सेवा अभियान का आयोजन किया। इस अभियान के तहत 40 नवजात शिशुओं और उनकी माताओं को विशेष रूप से तैयार सेवा किट्स प्रदान की गईं, जिनमें बेबी कपड़े, वेट वाइप्स, तेल, मल्टीविटामिन, चावल सहित अन्य आवश्यक सामग्री दिया गया। यह पहल नवजातों और माताओं की तत्काल आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर की गई, ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम में सिविल सर्जन कार्यालय के लोगो ने 15 से अधिक रोटेरियन का संवेदनशीलता के साथ सेवा में भाग लिया। क्लब की अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. पूर्वा रोजिंदर ने कहा कि मां के चेहरे पर राहत और नवजात के चेहरे पर मुस्कान से बड़ा इनाम कोई नहीं। हमारा उद्देश्य समाज के सबसे कोमल एवं ज़रूरतमंद वर्ग तक पहुंच बनाना है।

- रोटरी क्लब ऑफ़ भिलाई पिनेकल ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए चलाया मातृ सेवा अभियान

इस अभियान में सचिव रोटेरियन मधुलिका अग्रवाल, कोषाध्यक्ष असमीत बेदी के साथ दीक्षा, शालू, मुक्ता, विनी, श्वेता, ज्योति अग्रवाल, साक्षी, अंकिता, निधि अग्रवाल, दीपिका गोयल सहित कई अन्य रोटेरियन सदस्यों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। रोटरी इंटरनेशनल मातृ सेवा अभियान के द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए समय-समय पर माताओं के बीच पहुंच रहे है। सदस्यों ने कहा कि माताओं के साथ-साथ क्लब द्वारा बुजुर्गों के लिए भी सेवा कार्य किये जाएंगे।

● बछर के पहिली तिहारः छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपराओं के स्वागत में निकाली गई जबर हरेली रैली

बस्तरिहा मांदर, गेड़ी, पंथी, करमा नृत्य में दिखी संस्कृति और परंपराओं की झलक, छत्तीसगढ़ महतारी एवं महापुरुषों की झांकी रही आकर्षक

छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराओं को सहेजने के लिए रविवार को छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के तत्वावधान में जबर हरेली रैली का आयोजन किया गया। हरेली का पर्व तिथिवार 24 जुलाई को मनाई जाएगी। इसके स्वागत में क्रांति सेना द्वारा रविवार को जबर हरेली रैली का आयोजन किया गया। रैली सुबह साढ़े 11 अंबेडकर चौक पावरहाउस से होते हुए नगर के अलग-अलग हिस्सों से होकर गुजरी, जिसका सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठनों ने स्वागत किया। इस बीच बस्तरिया मांदर, गेड़ी, पंथी, करमा, डंडा, राऊत नाचा नृत्य प्रमुख आकर्षण रहा। रास्ते में अखाड़ा का प्रदर्शन किया गया। इस बार की रैली में छत्तीसगढ़ महतारी एवं महापुरुषों की झांकी के अलावा प्रदेश की राजभाषा छत्तीसगढ़ी भाषा में पढ़ाई लिखाई एवं उसे कार्यालयीन भाषा बनाने का आह्वान करते हुए एक चलित झांकी भी रैली का मुख्य आकर्षण रहा।

भिलाई। छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की छटा बिखेरने के साथ ही प्रकृति रक्षा का संदेश देते हुए हरेली का त्योहार मनाने छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के तत्वावधान में प्रदेश भर से हजारों लोग रविवार को भिलाई में इकट्ठे हुए। इस दौरान छत्तीसगढ़ के लगभग हर कलाविधा का रैली के रुप में प्रदर्शन करते हुए सैकड़ों लोक कलाकार दस किलोमीटर की यात्रा करते हुए विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों से होते हुए हजारों लोगों का जन-सैलाब रिसाली मैदान पहुंचा।इस अनसर पर महिलाओं के सुवा नृत्य ने भी लोगों का मनमोहा।

इसके अलावा करमा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। आयोजन के दौरान गम्मतिहा नाचा दल, छत्तीसगढ़ी महतारी अऊ पुरखा मन की भव्य झांकी, हसदेव जंगल रक्षा के लिए तैयार की गई झांकी भी रास्तों से होकर गुजरी। ढोल, नगाड़े, गाजे-बाजे के साथ रैली ने पूरे भिलाई शहर का भ्रमण किया। आयोजकों ने कहा कि हमारी छत्तीसगढ़ परंपरा को सहेजने के लिए पिछले आठ सालों से इस प्रकार का आयोजन भिलाई में किया जा रहा है। हरेली छत्तीसगढ़ का प्रथम त्योहार है, जिसे बछर का त्योहार कहा जाता है। इसके स्वागत के लिए यह रैली निकाली गई। 24 जुलाई को गांवों में हरेली मनेगा, इस दिन सभी अपने गांवों में व्यस्त रहते हैं, इसलिए हरेली के पहले पड़ने वाले रविवार को ही इस प्रकार का आयोजन किया गया।

रात में में छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक मंच रंगझरोखा का मंचन

नगर भ्रमण के बाद रैली दशहरा मैदान रिसाली सेक्टर पहुंची। जहां शाम को विश्वविख्यात पंडवानी गायिका ऋतु वर्मा ने अपनी शैली में पंडवानी की प्रस्तुति दी। इसके बाद रात को दुष्यंत हरमुख के निर्देशन में छत्तीसगढ़ियों की दशा-दिशा को दर्शाता छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक मंच रंगझरोखा का मंचन किया गया। क्रांतिसेना के यशवंत वर्मा और आईटी सेल प्रभारी देवेंद्र नेताम ने बताया कि छत्तीसगढ़ की मूल संस्कृति को जिंदा रखने का एक सांस्कृतिक आंदोलन है। यह लगातार हो रहे आयातित बाहरी सांस्कृतिक आक्रमणों से छत्तीसगढ़ियापन को बचाने का एक सार्वजनिक संकल्प है। हरेली प्रकृति की संरक्षा का महापर्व है। कार्यक्रम में उपस्थित छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अजय यादव और जिलाध्यक्ष जागेश्वर वर्मा कहा कि छत्तीसगढ़िया समाज मूलतः प्रकृति-पूजक समाज है और हरेली पूर्णतया प्रकृति की उपासना का पर्व है इसलिये यह त्यौहार हम सब छत्तीसगढ़ वासियों के लिये सबसे महत्वपूर्ण आयोजन है।

गुड़ के चीले व ठेठरी-खुरमी का महाप्रसाद

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के तत्वावधान में अंबेडकर मूर्ति पावरहाउस से शुरू हुई जबर हरेली रैली के दौरान गुड़ के चीले, ठेठरी-खुरमी का महाप्रसाद बांटा गया। रैली में सैकड़ों लोक कलाकार ने अपने प्रथम त्यौहार हरेली का उल्लासपूर्ण वातावरण में स्वागत किया गया। बैलगाड़ियों का जूलूस, बस्तरिहा रेला-पाटा, गेड़ी, पंथी, करमा, सुवा, राऊत नाचा, डंडा नृत्य करते हुए लोग प्रकृति के साथ-साथ अपनी मूल संस्कृति को बचा कर रखने का संदेश दिया गया। छत्तीसगढ़ महतारी और छत्तीसगढ़िया महापुरुषों की झांकी के अलावा देश की राजभाषा छत्तीसगढ़ी भाषा में पढ़ाई लिखाई एवं उसे कार्यालयीन भाषा बनाने का आह्वान करने का संदेश देती चलित झांकी रैली के विशेष आकर्षण रही।

महिला दल ने दी पंथी नृत्य की प्रस्तुति

आयोजन के दौरान महिला पंथी दल का गतिमान नृत्य एवं छत्तीसगढ़ के मार्शल आर्ट (अखाड़ा) के रुप में छत्तीसगढ़ियों का शौर्य प्रदर्शन किया गया। विशाल जन-समूह के साथ चलती रैली आगे जाकर रिसाली दशहरा मैदान के जनसैलाब में समाहित हुई। जहां हल एवं कृषि औजारों की पूजा की गई। छत्तीसगढ़ महतारी, बुढ़ादेव एवं पुरखा देवताओं की महाआरती की गई।

सिटी इवेंट

दुर्ग में अस्मिता खेलो इंडिया सिटी की हुई शुरुआत, खिलाड़ियों को किया प्रोत्साहित

दुर्ग। गंजपारा दुर्ग में अस्मिता खेलो इंडिया सिटी के अंतर्गत योगासन स्पोर्ट्स द्वारा समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिले भर से योग संस्थान के प्रबुद्ध जन उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ में अस्मिता खेलो इंडिया सिटी लीग का तीन स्थानों पर आयोजन किया जा रहा है। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल ने की। इस दौरान सांसद ने कहा कि भारत देश का योग अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर रहा है और पूरी दुनिया के लोग इसे अपना रहे हैं। आज हमारा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रत्येक क्षेत्र में तरक्की कर रहा है। ऐसे में खेलों के विकास के लिए समाज को भी आगे आने की जरूरत है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभावान खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने में समाज बड़ी जिम्मेदारी निभा सकता है। सांसद विजय बघेल ने बताया कि यह स्थान उनके लिए हमेशा शुभ रहा है वर्ष 2019 और 2024 के चुनाव में यह भवन उनका मुख्य चुनाव कार्यालय रहा है और वे भी खिलाड़ी है इसलिए खिलाड़ियों की भावनाओ को समझते हैं और यहां अपनों से अपनी बात कर रहे हैं। अब हमारे देश के योग को एशियाड में भी स्थान मिल गया है। छत्तीसगढ़ के हमारे साथी खिलाड़ी योग में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल ला रहे हैं और एशियाड खेल में भी हमें मेडल मिलने की उम्मीद है। समारोह में योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिंह, मधुसूदन, अभय सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी उपस्थिति थे।

अग्रवाल महिला समिति खुर्सीपार में सावन सेलिब्रेशन की चल रही तैयारी, बन रही रुपरेखा

भिलाई। अग्रवाल महिला समिति खुर्सीपार सावन का तीज महोत्सव 26 जुलाई को अग्रसेन भवन खुर्सीपार में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान महिलाएं और अपने मायके आई बेटियां सावन के झूले का आनंद लेते हुए अपनी सहेलियों से भी मिलेंगी। साथ ही सावन की थीम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी महिलाओं दवरा दी जाएगी। जिसमें महिलाओं दवरा घरेलू उत्पादों के विभिन्न स्टाल लगाए जाएंगे और मनोरंजन के लिए हाउजी सहित कई गेम्स भी खेले जाएंगे। सावन महिने में आने वाले त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए राखियां, हैंड मेड बैग, सूट, साड़ी, लड्डू गोपाल के पोशाक, फूड आइटम सहित अन्य तरह के आइटमों का स्टॉल लगाए जा रहे है। सुंदर-सुंदर दुकानों में कई

आकर्षक ईनाम की भी तैयारी की जा रही है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सावन तीज पर आधारित स्टेज प्रोग्राम जिसमें एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति समाज की महिलाओं द्वारा दी जाएगी। जिसमें सावन के रंगीले गानों पर नृत्य व नाटक रखा गया है जिसमें महिलाएं व युवतियां अपने ग्रुप में डांस की प्रस्तुति देंगी। आयोजन के लिए अग्रवाल महिला समिति की सभी सदस्याएं जुटी हुई है। नृत्य के लिए कोरियोग्राफर दवरा रोज प्रेक्टिस भी कराई जा रही है। अग्रवाल सेवा समिति एवं युवा मंच के सहयोग से होने वाले इस आयोजन में अग्रवाल सेवा समिति के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, महासचिव रतन लाल अग्रवाल और युवा मंच सांस्कृतिक सचिव पवन अग्रवाल, शिरीष अग्रवाल सहित सभी पदाधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। अग्रवाल महिला समिति की अध्यक्ष संगीता नेमीचंद अग्रवाल, सचिव प्रेमा गर्ग, कोषाध्यक्ष शारदा सिंघानिया, प्रेमलता रामनाथ, उषा संतोष अग्रवाल और अग्रवाल शर्मा महेश्वरी समाज की महिलाएं कार्यक्रम में शिरकत करेंगी।

डॉ. खूबचंद की 125वीं जयंती पर अमर रहे के लगाए नारे, किया पौधारोपण

भिलाई। महान जननायक डॉ. खूबचंद बघेल की125वीं जयंती पर रिसाली सेक्टर के क्लब मैदान में मनवा कल्याण समिति भिलाई व छत्तीसगढ़ मातृशक्ति संगठन द्वारा वृक्षारोपण किया गया। साथ ही गोपालकृष्ण वर्मा ने जन्मदिन पर पौधरोपण किया। इस अवसर पर ईश्वरी वर्मा राजप्रधान, सेवक राम कल्याण समिति अध्यक्ष, कोमल धुरंधर इकाई अध्यक्ष, संतोष पाटनवार छ.ग. कुर्मी समाज अध्यक्ष, मोरध्वज चंद्राकर पूर्व अध्यक्ष, आईएस मनु पूर्व अध्यक्ष, उत्तम वर्मा, पी.सी. परगनिया, गुलाब वर्मा, पुष्पकराज देशमुख, पार्षद चंद्रभान सिंह ठाकुर, गीता वर्मा, अश्लेष मरावी, उमा सिंह, ममता वर्मा आदि मौजूद थे।

कांवड़ यात्रा शुरू होने पर शिव के अघोरी रूप वाला टैटू का बढ़ा चलन

टैटू बनवाने का बढ़ा क्रेज, भगवान के नाम मंत्र व आकृति शरीर पर गुदवा रहे शिवभक्त

कार्नर न्यूज

भिलाई। शिवभक्तों के लिए केदारनाथ व अमरनाथ यात्रा चल रही है। वहीं भगवान शिव का प्रिय सावन महीने का आज दूसरे सोमवार को सभी तरफ शिव भक्त दिखाई देंगे। हर भक्त किसी न किसी तरह भगवान शिव के प्रति अपनी भक्ति दिखाता है।कोई पूजा-पाठ करके तो कोई मीलों यात्रा करके भगवान शिव के दर्शन के लिए जाता है। वहीं अब नए ट्रेंड के हिसाब से लोग अपने शरीर पर भगवान शिव के नाम, मंत्र व पोर्ट्रेट का टैटू बनवाना पसंद कर रहे हैं।

मंत्र गुदवा रहे शिवभक्त

आर्टिस्ट गोविंद ने बताया कि लोग धार्मिक टैटू बनवाना पसंद करते हैं, लेकिन भगवान शिव के प्रति भी भक्तों की गहरी आस्था है, इसलिए लोग भगवान शिव के प्रतीक डमरू, त्रिशूल आदि जैसे पवित्र चिह्नों का अपने शरीर पर टैटू बनवाते हैं। इन दिनों मंत्र टैटू में अंत अस्ति प्रारंभ व सर्वस्यापी भवते मंत्र लिखवाया जा रहा है।जैसे ही सावन का महीना आता है, वैसे ही लोग खासकर युवाओं में धार्मिक टैटू बनवाने का क्रेज बढ़ने लगता है। टैटू आर्टिस्ट की मानें तो सावन के महीने व कांवड़ यात्रा के दौरान टैटू बनने शुरू हो जाते हैं। दिन में 3 से 4 युवा टैटू बनवाने आ रहे हैं।

रुद्र रूप वाला टैटू बनवा रहे

सुपेला के आर्टिस्ट खोमेद्र ने बताया कि वैसे तो 12 महीने टैटू बनाते हैं, लेकिन सावन शुरू होते ही भगवान शिव के टैटू डिमांड खासी बढ़ जाती है। खासतौर पर कांवड़ लेकर जाने वाले भक्त शरीर पर टैटू बनवाना काफी पसंद कर रहे हैं। वे अघोरी स्वरूप का टैटू बनवाते हैं। इन दिनों कोई महामृत्युजंय मंत्र में त्रिशूल, कोई शिव पोर्ट्रेट में, कोई शांत स्वरूप, कोई अघोरी स्वरूप तो कोई तांडव करते हुए रुद्र रूप वाला टैटू बनवाना पसंद कर रहा है।

बेहिसाब खर्च करने को तैयार

टैटू आर्टिस्ट ने बताया कि इन दिनों रोजाना 2 से 3 युवा टैटू बनवाने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि छोटे टैटू बनाने में तो आधा घंटा लगता है, लेकिन पोर्टेट बनाने में लगभग 5 घंटे लगते हैं। लोग महामृत्युंजय मंत्र भी लिखवाना पसंद कर रहे हैं। छोटे टैटू बनवाने में ढाई से तीन हजार रुपए का खर्च आता है, वहीं बड़े पोट्रेट बनवाने में 12 हजार से 30 हजार तक का खर्च आता है।

सिटी इवेंट

हजरत बाबा ताज के उर्स में भेजी चादर, हुआ लंगर

भिलाई। हजरत बाबा ताजुद्दीन औलिया नागपुर के 103वें उर्स के मुबारक मौके पर ताज दरबार सुपेला भिलाई में बड़े शानो शौकत के साथ धूमधाम से चादर शरीफ नागपुर रवाना की गई। सुबह 10 बजे बजे परचम कुशाई की गाई। दोपहर 2 बजे कुरान ख्वानी और मिलाद रखी गई और शाम 7 बजे लंगर किया गया। रात 9 बजे समा महफिल राखी गई। जिसमें बाबा ताज के चाहने वाले सभी अकीदतमंद शामिल हुए। हजरत बाबा ताजुद्दीन औलिया समिति भिलाई की चेयरमैन हज्जन ताजुन्निशा ताजी,सचिव मोहम्मद जाकिर शेख, ताजियाउर, कमरुन्निसा ताजी, जमुना सिंह, अमीना खातून ताजी.रोशन ज़मीर ताजी आस्मा खातून और समिति के सभी सदस्य कार्यक्रम में शामिल हुए।

सिटी लाइव

नए स्टूडेंट लीडर्स ने ली कर्तव्य पालन की शपथ, स्कूल सॉन्ग गाकर भरा जोश

भिलाई। केएच मेमोरियल स्कूल में नए एकेडमिक सीजन 2025-26 का इन्वेस्टीचर सेरेमनी रविवार को आयोजित किया गया। समारोह में नए काउंसिल बोर्ड के स्टूडेंट लीडर्स ने अपने कर्तव्य के ईमानदारीपूर्वक पालन की शपथ ली। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रिंसिपल विभा झा, डायरेक्टर निश्चय झा, एकेडमिक डायरेक्टर सृष्टि झा के साथ-साथ स्टूडेंट्स ने भी दीप प्रज्वलित किया। स्टूडेंट्स ने "स्कूल सॉन्ग" गाकर कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। प्रिंसिपल विभा झा ने स्कूल लीडर्स को बधाई देते कहा कि स्टूडेंट स्कूल के आदर्शों और सिद्धांतों का पालन करेंगे। उन्होंने भागवत गीता के संदर्भों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्टूडेंट्स अपनी क्षमता के अनुसार अपनी जिम्मेदारियां को निभाएंगे और अन्य स्टूडेंट्स को भी प्रोत्साहित करेंगे। इस अवसर पर स्टूडेंट्स द्वारा नृत्य का अद्भुत प्रदर्शन किया गया, इसके माध्यम से स्पीड और निर्णायक विक्ट्री का संदेश दिया गया। डायरेक्टर निश्चय झा ने अपने भाषण में स्टूडेंट्स में टीम स्पिरिट और लीडरशिप जैसे मूल्यों को बढ़ाने के महत्व को बताया। प्रिंसिपल ने नव निर्वाचित स्टूडेंट लीडर्स को बैच और शेषे का वितरण करते हुए उनके कर्तव्यों के प्रति शपथ दिलाई। शपथ के बाद काउंसिल बोर्ड के नव निर्वाचित स्टूडेंट लीडर्स ने भाषण दिए। स्टूडेंट लीडर्स ने भाषणों में प्रमुख विषयों पर जोर दिया। अंत में एकेडमिक डायरेक्टर सृष्टि झा ने कहा कि नेतृत्व हर किसी की बात नहीं है, यह जिम्मेदारियों के साथ आता है। उन्होंने स्टूडेंट्स को अपनी संस्कृति और विरासत के महत्व को बताया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सिटी इवेंट

क्रांतिवीर सुखदेव राज स्मारक संधारण पर समिति ने दिया जोर

भिलाई। क्रांतिवीर सुखदेव राज स्मृति समारोह समिति (पुनर्गठित)की पहली बैठक भिलाई निवास में आयोजित हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों के आपसी परिचय सत्र के बाद महासचिव बीके वर्मा ने समिति के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष कनक तिवारी ने क्रांतिकारी सुखदेव राज का जीवन परिचय दिया तथा दुर्ग में उनके कार्यों से संबंधित विस्तृत जानकारी दी साथ ही उनके साथ बिताए पलों को याद किया। गुलबीर सिंह भाटिया ने भी अपना अनुभव सुनाया। बैठक के दूसरे सत्र में सुखदेव राज के इन्दिरा मार्केट दुर्ग स्थित आवास तथा बालोद रोड में ग्राम अण्डा स्थित स्मारक नवीनीकरण कार्य की आवश्यकता पर बल देते हुए अलग अलग कार्यों के लिए कुल छह समितियों का गठन किया गया। साथ ही माह सितम्बर में सरदार भगत सिंह की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम के आयोजन पर भी निर्णय लिया गया इस हेतु गठित उप समिति को जिम्मेदारी सौंपी गई। उल्लेखनीय है कि सुखदेव का निधन इंदिरा मार्केट दुर्ग स्थित पुराने शिशु कल्याण केंद्र जहां पर रह कर वे कुष्ठ रोगियों की सेवा करते रहे, 5 जुलाई 1973 को हुआ था। बाद में कनक तिवारी की अध्यक्षता में गठित क्रांतिवीर सुखदेव राज स्मृति समारोह समिति ने उनके ग्राम अण्डा स्थित आश्रम में उनकी प्रतिमा स्थापित की थी जो आज छत विहीन हो गई है। समिति के सदस्यों में कनक तिवारी को छोड़ शेष सभी दुनिया छोड़ चुके हैं। उसी समिति का पुनर्गठन किया गया है।

■ समिति की पहली बैठक भिलाई में आयोजित

● बहुआयामी संस्था चिन्हारी का रजत जयंती समारोह, सांसद बघेल को मिला 'चिन्हारी' 2025 का सम्मान

प्रसादम योजना से माता कौशल्या की जन्मभूमि 'कोसला' का होगा विकास, सांसद बघेल रखेंगे प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्ताव

भिलाई। साहित्य, कला, संस्कृति की बहुआयामी संस्था चिन्हारी के रजत जयंती वर्ष पर रविवार को आयोजित समारोह माता कौशल्या की जन्मभूमि कोसला के महत्व पर केंद्रित रहा। बिलासपुर जिले में मल्हार के पास स्थित कोसला से भिलाई पहुंचे 200 से ज्यादा निवासियों और अंचल के बुद्धिजीवी वर्ग के बीच मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने घोषणा की कि माता कौशल्या की जन्मभूमि के रूप में कोसला गांव को महत्व दिलाने हर संभव प्रयास करेंगे। सांसद बघेल ने कहा कि वो इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे और कोसला गांव क्षेत्र का विकास केंद्र सरकार की प्रसादम योजना के अंतर्गत करवाने निवेदन करेंगे। आईसीएआई भवन अपेक्स बैंक के बाजू सिविक सेंटर में हुए इस आयोजन में शुरूआत में सभी अतिथियों का सम्मान गुलदस्ता, धान की झालर के साथ किया गया। कार्यक्रम शुरू होने से पहले रामचरितमानस की चौपाइयां प्रस्तुत की गई। अपने स्वागत उद्बोधन में संयोजक और बहुआयामी संस्था चिन्हारी के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद पारकर ने राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में एमए छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम शुरू करवाए जाने के प्रयासों का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने मात कौशल्या की जन्मभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हम सब का गौरव है कि हमारे छत्तीसगढ़ के कोसला गांव की मान्यता जनश्रुतियों से लेकर ऐतिहासिक दस्तावेजों तक में माता कौशल्या की जन्मभूमि को लेकर है। उन्होंने कोसला गांव से आए लोगों का विशेष रूप से सम्मान करते हुए कहा कि आज इस तथ्य को देश और दुनिया के सामने लाने की जरूरत है।

पुस्तक का अतिथियों ने किया विमोचन

आयोजन में हाल ही में ब्राजील में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने पर दुर्ग सांसद विजय बघेल को चिन्हारी सम्मान-2025 से विभूषित किया गया और कार्यक्रम के संयोजक चिन्हारी साहित्य समिति के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद पारकर के संपादन में प्रकाशित पुस्तक माता कौसल्या जन्मभूमि कोसला का विमोचन अतिथियों ने किया। सांसद विजय बघेल ने इस दौरान सम्मान के लिए आयोजकों का आभार जताते हुए कहा कि माता कौसल्या का अटूट संबंध दक्षिण कोसल एवं उत्तर कोसल दोनों से रहा है। उन्होंने कहा कि जिस मां ने भगवान राम को जन्म दिया उनके जन्म स्थान का महत्व भी दुनिया को पता चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह छत्तीसगढ़ के समस्त सांसदों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे और उन्हें तमाम तथ्यों से अवगत कराएंगे। विशिष्ट अतिथि दुर्ग महापौर अल्का बाघमार ने कहा कि माता कौशल्या का भव्य मंदिर उनकी जन्मभूमि कोसला गांव में जरूर बनना चाहिए। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम महाविद्यालय बिलासपुर हिन्दी विभाग डॉ. राजकुमार सचदेव और विभागाध्यक्ष राजनीति शास्त्र प्रो. ब्रजकिशोर त्रिपाठी ने भी अपनी बात रखी।

पढ़े गए शोधपत्र, ऐतिहासिक तथ्यों से कराया रूबरू

आयोजन में श्रीराम की माता कौशल्या की जन्मभूमि कोसला पर अकादमिक शोधपत्र पढ़े गए। इनमें पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर हिन्दी अध्ययन मंडल के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजेश श्रीवास का वक्तव्य लोक जीवन में कौशल्या विषय पर, भारती विश्वविद्यालय दुर्ग की छत्तीसगढ़ी-हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. विद्यावती चन्द्राकर का वक्तव्य माता कौशल्या की जन्मभूमि कोसला की पौराणिक मान्यताएं विषय पर और शिवरीनारायण के डॉ. शांति कुमार कैवर्त का वक्तव्य 'कोसला का ऐतिहासिक सत्यान्वेषण' विषय पर हुआ।

सम्मान निधि और वस्त्र भेंट कर किया सम्मान

आयोजन में अनुरोध पत्र का वाचन मेनका वर्मा ने किया। वहीं चिन्हारी सम्मान से विभूषित सांसद विजय बघेल के सम्मान पत्र का वाचन डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने किया और जीवन परिचय का वचन कालेश्वर प्रसाद निषाद ने किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों को सम्मान निधि, नारियल और वस्त्र भेंट कर चिन्हारी परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। अतिथियों का स्वागत मुख्य रूप से डुमन लाल ध्रुव, मनीष यादव, कुलेश्वर प्रसाद निषाद, शैलेंद्र शिंदे, केतन पारकर, ध्रुपद निषाद, रिखी क्षत्रिय, पवन निषाद, गमलियाल ग्राहम, भारत राणा, महेंद्र भक्ता, हर्ष देवांगन, बद्री कैवर्त, डीपी देशमुख, मुकुंद पारकर, शैलेंद्र पारकर और पारस कैवर्त्त सहित अन्य लोगों ने किया। मंच संचालन डॉ गणेश कौशिक ने किया।

स्कूल बैग, पेन वितरण

शिक्षण सामग्री का उपहार पाकर खिल उठे विशेष बच्चों के चेहरे

भिलाई। समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सामाजिक संगठन गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने विशेष आवश्यकता वर्ग वाले बच्चों को निःशुल्क स्कूल बैग, नोटबुक और पेन का वितरण किया। शिक्षण सामग्री मिलने पर विशेष बच्चों के चेहरे खिल उठे और सभी ने अपनी पढ़ाई पूरी करने का वादा किया। विवेकानंद सभागार, दुर्ग में आयोजित इस कार्यक्रम में बौद्धिक दिव्यांग, श्रवण बाधित, अस्थिबाधित, अल्प दृष्टि बाधित, मस्तिष्क पक्षाघात और सीखने की क्षमता में कमी से प्रभावित बच्चे लाभान्वित हुए। फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य इन विशेष बच्चों को शिक्षा में समान अवसर देना और उनके आत्मविश्वास को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्यों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता निभाता रहेगा। जीई फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए समग्र शिक्षा से जिला परियोजना समन्वयक सुरेंद्र पांडेय ने कहा कि समावेशी शिक्षा को मजबूती देने की दिशा में यह एक सराहनीय प्रयास है, जिससे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली से जोड़ने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज इन बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आत्मविश्वास की झलक इस बात का प्रमाण है कि यदि सही सहयोग और संसाधन मिलें, तो हर बच्चा अपनी क्षमताओं को पूरी तरह विकसित कर सकता है। कार्यक्रम में सहायक समन्वयक आई.के रामटेके, यूआरसी-श्रीमती किरण चंदवानी, बीआरसी श्रवण कुमार सिन्हा,चन्द्र किरण दुबे, पुष्पा भट्टाचार्य, खुमति उईके, इतिदास गुप्ता, माया डोमरे, दुर्गा साहू और उत्तम चंद्रवंशी तथा जीई फाउंडेशन से सुरुचि टावरी, अनुपमा मेश्राम, मोनिका सिंह, विशाखा मनगुड़े, प्रकाश देशमुख व अजीत सिंह सहित शिक्षकों, अभिभावकों और सामाजिक संगठनों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सभी ने जीई फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे प्रयासों को सहयोग देने का आश्वासन दिया।

पौधारोपण

ठेठवार यादव समाज ने हितवा संगवारियों के साथ रोपे पौधे

भिलाई। ठेठवार यादव समाज भिलाईनगर के युवाओं ने रविवार को डुन्डेरा नर्सरी पहुंचकर हितवा संगवारी संस्था के पर्यावरण प्रेमियों के साथ मिलकर बरसते पानी के बीच पौधरोपण किया। इस दौरान कदम्ब, बरगद, पीपल, आम, इमली, हर्रा , बहेरा, श्वेत कुटज आदि के कुल 11 पौधे रोपित कर इसकी सुरक्षा घेरा हेतु जालियां भी लगाए। यादव समाज के युवाओं ने हितवा संगवारी संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा संस्था के लोग पौध रोपण करने के साथ इसकी नियमित देखरेख व समय समय पर पौधे के बढ़े होते तक पानी सिंचाई करते हैं इन्हीं से प्रेरित होकर उन्होंने भी समाज की ओर से यहां पौधे रोपित करने का निश्चय किया है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया ।इस अवसर पर हितवा संगवारी के संयोजक रोमशंकर यादव, सत्येंद्र यादव, बिरेन्द्र यदु, राजू यादव, प्रवीण यादव ,आशीष यादव, शिव यादव, दीपक यादव, सूर्यकांत यादव, भुनेश, विजय यादव, भुनेश कुमार एवं हितवा संगवारी प्रेम नारायण मढ़रिया की सक्रिय सहभागिता रही।

पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की

पुलिस अधिकारी व कर्मियों को ट्रेनिंग, कला मंदिर सिविक सेंटर में हुआ आयोजन

सीन ऑफ क्राइम में फिंगरप्रिंट और फोटोग्राफी साक्ष्य के लिए जरुरी, एक्सपर्ट ने दिए टिप्स

कार्नर न्यूज

भिलाई। बढ़ते अपराध को लेकर सेक्टर 6 स्थित कला मंदिर सिविक सेंटर में सीन ऑफ क्राइम में फिंगर प्रिंट और फोटोग्राफी को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस दौरान एसएसपी विजय अग्रवाल, फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट राकेश नरवरे, फोटोग्राफर मोहम्मद वशीम पुलिस मुख्यालय मौजूद थे। एसएसपी विजय अग्रवाल ने ट्रेनिंग में कहा कि सीन ऑफ क्राइम में घटना स्थल झूठ नहीं बोलता, साक्ष्य कैसे पेश किया जाए यह फोटोग्राफी से संभव है।

घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित करने के लिए दिए आवश्यक टिप्स

फोटोग्राफी को सीन ऑफ क्राइम के साथ सिक्रोनाइज करना चैलेंज है। हर थाने में फिंगरप्रिंट उठाने का किट उपलब्ध है। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित करने के लिए आवश्यक है। हर थाने में इस विषय के 3-4 कर्मचारी हो, इसकी प्रेक्टिकल कराई जाए। फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट रमेश कुमार नरवरे ने कहा कि क्राइम सीन को कैसे प्रिजर्व किया जाता है और साक्ष्य के रूप में कैसे उपयोग में लाया जाता है। विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया, घटनास्थल में फिंगर प्रिंट तीन प्रकार से पाए जाते है रंगीन विजिबल, इनविजिबल,नग्न ऑखों से दिखाई नहीं देता, मैग्नीफाईन ग्लास से दिखाई देता है। फिंगर प्रिंट, बलगर विजिटिंग कार्ड टाइप होता ह। मोल्डेड फिंगरप्रिंट, प्लास्टिक फिंगर प्रिंट सांचा ढलाई वाला फिंगरप्रिंट, जहॉ पर नया-नया पेंट किया गया हो। प्रशिक्षण में ग्रामीण एएसपी अभिषेक झा, सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी, डीएसपी पुलिस लाइन चन्द्र प्रकाश तिवारी, निरीक्षक नीलकंठ वर्मा समेत पुलिस कर्मी मौजूद थे।

हेल्थ टिप्स

आयरन की कमी पर खास ध्यान दें महिलाएं, पूरा करने अपनाएं उपाय

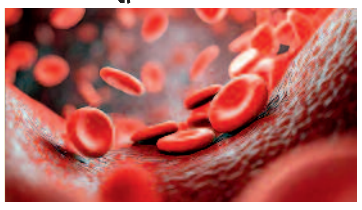

महिलाओं के शरीर में आयरन, अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी से शरीर में कई गड़बड़ियां हो सकती हैं। इसका लेवल बढ़ाने में एक्सपर्ट के बताए ये टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं। हमारे शरीर को हेल्दी रहने के लिए कई विटामिन्स और मिनरल्स की जरूरत होती है। आयरन एक आवश्यक मिनरल है, जो यूं तो सभी के लिए जरूरी होता है लेकिन खासकर महिलाओं के शरीर में इसका लेवल सही होना बहुत जरूरी है। लेकिन, ज्यादातर महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है और उन्हें खुद इस बात की जानकारी भी नहीं होती है। आयरन महिलाओं के लिए क्यों जरूरी है, इसकी कमी होने पर क्या होता है और किन 5 तरीकों से आप इसका लेवल बढ़ा सकती हैं, इस बारे में आयुर्वेदिक डॉक्टर से जानते हैं। यह जानकारी डॉक्टर दीक्षा भावसार दे रही हैं। डॉक्टर दीक्षा, आयुर्वेदिक प्रोडक्ट्स ब्रांड द कदंब ट्री की फाउंडर हैं।

महिलाओं के लिए क्यों जरूरी है आयरन की मौजूदगी?

आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है, जो रक्त में ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। इसकी कमी होने पर चक्कर आना, सिरदर्द, थकान महसूस होना, सास फूलना, बाल झड़ना और कमजोरी जैसी लक्षणे हो सकती हैं। पीरियड्स और प्रेग्नेंसी समेत कई समय पर महिलाओं के शरीर में खून की कमी हो सकती है। शरीर में एनर्जी बनाए रखने और शरीर के फंक्शन्स को सही तरह से चलाने के लिए, आयरन लेवल सही होना बहुत जरूरी है। आयरन की कमी के लक्षणों में थकान, पीलापन, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, सिरदर्द, और नाखून का कमजोर होना शामिल हैं। कुछ लोगों को बर्फ या मिट्टी जैसे गैर-खाद्य पदार्थों की लालसा भी हो सकती है।

आयरन की कमी के कुछ सामान्य लक्षण

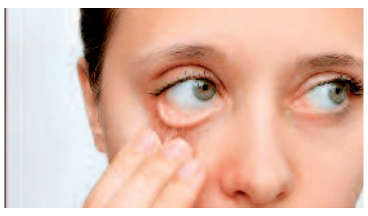

शरीर में आयरन की कमी से थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है, क्योंकि शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है। त्वचा और मसूड़ों का रंग पीला हो सकता है, खासकर आंखों के नीचे। आयरन की कमी से सांस लेने में तकलीफ या सांस फूलना महसूस हो सकता है, खासकर व्यायाम करते समय। आयरन की कमी से चक्कर आना, सिरदर्द और हल्कापन महसूस हो सकता है। नाखून पतले और कमजोर हो सकते हैं, या चम्मच के आकार के हो सकते हैं। कुछ लोगों को बर्फ, मिट्टी, या कागज जैसे गैर-खाद्य पदार्थों की लालसा हो सकती है। आयरन की कमी से हाथ-पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं। दिल की धड़कन तेज या अनियमित हो सकती है। मुंह के कोनों में छाले या जीभ में सूजन भी आयरन की कमी का संकेत हो सकता है। आयरन की कमी से ध्यान केंद्रित करने और सीखने में कठिनाई हो सकती है। यदि आपको इनमें से कोई भी लक्षण महसूस हो रहा है, तो डॉक्टर से परामर्श करना महत्वपूर्ण है। आयरन की कमी का निदान और उपचार किया जा सकता है।

शरीर में आयरन लेवल बढ़ाने में मदद कर सकते हैं ये 5 तरीके

आयरन रिच फूड्स जैसे पालक, मेथी और ड्रमस्टिक्स को डाइट में शामिल करें। भुने हुए काले तिल भी आयरन का अच्छा सोर्स होते हैं। इन्हें आप लड्डू और रोटी के आटे समेत कई चीजों का हिस्सा बना सकती हैं। गुड़ भी आयरन से भरपूर होता है। यह शरीर में खून की कमी दूर करता है और ताकत देता है। अंजीर, खजूर और किशमिश खाने से भी खून बढ़ता है। इसे आप गुनगुने दूध के साथ ले सकती है।हरी सब्जियों को पकाकर खाने की जगह कच्चा या सॉथे करके खाना ज्यादा फायदेमंद रहेगा। आयरन रिच फूड्स को विटामिन-सी फूड्स के साथ खाएं ताकि आयरन शरीर में अच्छे से अब्जॉर्ब हो सके। दाल, सब्जी और सलाद में नींबू का रस मिलाएं। आंवला का जूस पिएं। मील्स के साथ सिट्रस फ्रूड्स, टमाटर औरर अमरूद खाएं। मील्स के साथ चाय और कॉफी को अवॉइड करें। इससे आयरन के अब्जॉर्बशन में मुश्किल आती है। खाना बनाने के लिए, लोहे की कढाई का इस्तेमाल करें।डाइट में करी पत्ता, धनिया, अजवाइन और नेटल लीव्स जैसे आयुर्वेदिक हर्ब्स और मसालों को शामिल करें। इससे आयरन लेवल बढ़ता है। महिलाओं के शरीर में आयरन लेवल सही होना बहुत जरूरी है।

दिल पर आने वाली हर आपदा अटैक नहीं, हो सकती है हार्टबर्न भी, जानिए इनमें अंतर

नौजवानों को तेजी से अपनी चपेट में ले रही हार्ट बर्न की समस्या, हार्ट अटैक से मिलते-जुलते हैं इसके लक्षण

लोकप्रिय वेब सीरीज पंचायत में दामाद जी का किरदार निभाने वाले अभिनेता आसिफ खान की सेहत को लेकर पिछले कुछ दिनों से खूब चर्चा हो रही है। खबर आई थी कि आसिफ खान को हार्ट अटैक हुआ है। इसके अगले दिन सोशल मीडिया पर एक पोस्ट ने आसिफ ने लिखा, पिछले कुछ घंटों से मैं कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था जिसके लिए मुझे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब मैं ठीक हो रहा हूं और काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं जल्द ही वापस आऊंगा, तब तक मुझे अपने विचारों में बनाए रखने के लिए आपका धन्यवाद। आसिफ ने बताया कि उन्हें हार्ट अटैक नहीं हुआ था, बल्कि वह हार्ट बर्न का शिकार हुए थे। चूंकि दोनों ही समस्याओं में लक्षण एक जैसे होते हैं ऐसे में इनकी पहचान कर पाना कठिन हो जाता है। आइए जानते हैं कि हार्ट अटैक और हार्ट बर्न में क्या अंतर होता है?

आसिफ ने दी सेहत को लेकर जानकारी

आसिफ ने कहा, ?सबसे पहले, मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मुझे दिल का दौरा नहीं पड़ा था। यह गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज (जीईआरडी) था। इसके लक्षण दिल के दौरे जैसे लग रहे थे, लेकिन अब मैं पूरी तरह से स्वस्थ हूं। उन्होंने बताया कि यह तकलीफ घंटों गाड़ी चलाने के बाद हुई। लंबी ड्राइव के बाद रात में सीने में दर्द हुआ और वे बाथरूम में बेहोश हो गए, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल जाना पड़ा। आइए जानते हैं कि हार्टबर्न और हार्ट अटैक में क्या अंतर होता है और इसकी पहचान कैसे की जाए?

हार्टबर्न की समस्या के बारे में जानिए

हार्टबर्न, सीने में जलन होने की समस्या है, ये पेट में बने एसिड के ग्रासनली में वापस आने के कारण होती है। यह गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज का एक सामान्य लक्षण है। वैसे तो ये समस्या अक्सर हल्के स्तर की होती है और सामान्य उपायों से ठीक भी हो जाती है, हालांकि कुछ मामलों में इसके कारण कई तरह की दिक्कतों का खतरा हो सकता है। हार्ट बर्न के कारण छाती में जलन होता है जो पेट के ऊपरी हिस्से को भी प्रभावित कर सकता है। आमतौर पर खाने के बाद, लेटते या झुकते समय ये दिक्कत अधिक होती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, लंबे समय तक बैठे रहने या खान-पान में समस्या के कारण हार्टबर्न होता है। गंभीर स्तर के हार्ट बर्न की समस्या और हार्ट अटैक में अंतर करना मुश्किल हो सकता है।

मिलते-जुलते हैं लक्षण

डॉक्टर कहते हैं, हार्ट बर्न, एनजाइना और दिल का दौरा के लक्षण कई बार एक जैसे लग सकते हैं। अनुभवी डॉक्टर भी मेडिकल हिस्ट्री और शारीरिक जांच के बिना इसकी पहचान नहीं कर पाते हैं। हालांकि हार्टबर्न से इतर हार्ट अटैक की समस्या, दिल की धमनियों में जमाव और इसके कारण रक्त का प्रवाह बाधित होने के कारण होती है। हार्टबर्न की स्थिति में आमतौर पर सीने में जलन का एहसास होता है, क्योंकि यह पेट के एसिड के ग्रासनली में वापस जाने के कारण होता है। दूसरी ओर, दिल का दौरा पड़ने पर सीने में दबाव, जकड़न या दबाव जैसा महसूस हो सकता है। सीने में जलन की समस्या आमतौर पर खाने के तुरंत बाद या कुछ घंटों के भीतर होती है, वहीं हार्ट अटैक कभी भी हो सकता है।

हार्ट बर्न से कैसे बचाव करें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हार्ट बर्न के खतरे से बचे रहने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। भोजन के दौरान ज्यादा पानी न पिएं, इससे आपकी ग्रासनली पर दबाव पड़ता है। लार का उत्पादन बढ़ाने के लिए च्युइंग गम चबाएं।

डायबिटीज के मरीजों को अपनी आंखों पर देना चाहिए खास ध्यान

जिन लोगों को शुगर लेवल अक्सर हाई रहता है, उनमें समय के साथ नसों, पाचन, हार्ट और आंखों से कम दिखने की दिक्कत होने लगती है। डायबिटीज की समस्या आपकी आंखों को कैसे प्रभावित करती है, इससे कारण अंधेपन का खतरा कैसे बढ़ जाता है, इस बारे में जानिए जरूर।

डायबिटीज या हाई ब्लड शुगर की समस्या दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इसका शिकार हो रहे हैं। अध्ययनकर्ता कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण डायबिटीज के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इसके अलावा जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को ये दिक्कत रही है, उन्हें भी खतरा अधिक हो सकता है। डायबिटीज सिर्फ ब्लड शुगर बढ़े रहने की बीमारी नहीं है, इसका शरीर पर कई अन्य तरह से भी असर हो सकता है। जिन लोगों को शुगर लेवल अक्सर हाई रहता है, उनमें समय के साथ नसों, पाचन, हार्ट और आंखों से कम दिखने की दिक्कत होने लगती है। डायबिटीज की समस्या आपकी आंखों को कैसे प्रभावित करती है, इससे कारण अंधेपन का खतरा कैसे बढ़ जाता है, आइए इस बारे में आगे विस्तार से समझते हैं।

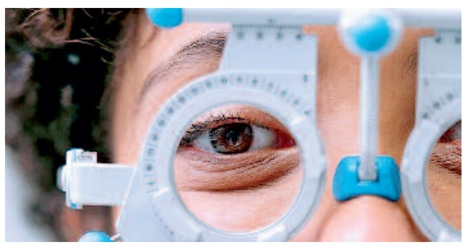

डायबिटिक आई डिजीज या रेटिनोपैथी

हमारी आंखें एक कैमरे की तरह हैं, जो हमें दुनिया को देखने में मदद करती हैं। लेकिन जब शरीर में शुगर का स्तर लंबे समय तक बढ़ा हुआ रहता है, तो यह स्थित आंखों की रोशनी को धीरे-धीरे धुंधला करने लग जाती है। इसे डायबिटिक आई डिजीज या डायबिटिक रेटिनोपैथी के नाम से जाना जाता है। ये आंखों से जुड़ी एक गंभीर स्थिति है, और अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो अंधापन तक हो सकता है। अब सवाल ये है कि हाई शुगर की स्थिति आंखों को कैसे नुकसान पहुंचाती है? नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ समीर शुक्ला बताते हैं, डायबिटीज की समस्या शरीर में मौजूद रक्त वाहिकाओं (ब्लड वेसेल्स) को नुकसान पहुंचाने लगती है। आंखों में भी बेहद नाजुक रक्तवाहिकाएं होती हैं। रेटिना वाले हिस्से में मौजूद वाहिकाएं हाई शुगर के कारण प्रभावित होने लग जाती है। जिन लोगों का शुगर का लेवल अक्सर हाई रहता है, उनमें आंखों की रक्तवाहिकाओं में लीक होने या सूजन की दिक्कत देखी जाती है।

अध्ययनों से क्या पता चला?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, डायबिटीज के कारण होने वाला अंधापन 20-65 वर्ष की उम्र के लोगों में सबसे प्रमुख कारणों में से एक है। हर तीन में से एक डायबिटिक व्यक्ति को किसी न किसी स्तर की रेटिनोपैथी की समस्या हो सकती है।वहीं लैंसेंट डायबिटीज और एंड्रोक्रोनोलॉजी में प्रकाशित एक रिपोर्ट से पता चलता है कि लगातार 10 साल से अधिक समय से डायबिटीज से ग्रसित लोगों में आंखों की जटिलता की आशंका 60% तक बढ़ जाती है।

आंखों की इन दिक्कतों से कैसे बचें?

डॉक्टर कहते हैं, डायबिटीज के साथ जिनका ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल भी हाई रहता है उनमें आंखों की समस्या होने का जोखिम और अधिक हो सकता है। हाई शुगर सकी समस्या के साथ अगर आपको धुंधला दिखने लगे, आंखों के सामने छोटे-छोटे धब्बे नजर आ रहे हों, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

बरसात में रोशनी करते ही मंडराने लगते हैं कीड़े तो करें कुछ देसी उपाय

बरसात के मौसम में नमी के बाद दूसरी बड़ी समस्या बरसाती कीड़ों की होती है। अगर आपके भी किचन में शाम के वक्त ये कीड़े आकर आतंक मचाने लगते हैं, आपको इनसे छुटकारा पाने के कुछ देसी जुगाड़ अपनाना चाहिए। आप नीचे बताए जा रहे इन जुगाड़ को आसानी से घर में रखी चीजों की मदद से आजमा सकती हैं। इनको करने में मेहनत और पैसे दोनों बच जाएंगे।

लहसुन-तेजपत्ता का कमाल

इसके लिए आपको लहसुन की करीब 4-5 कलियां छील लेनी हैं। अब आप मसालदानी में रखे 3-4 तेजपत्ते भी लें। फिर आपको एक बड़ा मिट्टी का दिया लेना है। उसमें आप लहसुन की कलियां और तेजपत्ते के टुकड़ें तोड़कर रखें।ऊपर से दो कपूर की गोलियां भी रख दें। अब इसमें आपको आग लगाकर बुझा देना है। कपूर, लहसुन और तेजपत्ते की तेज स्मेल से एक भी बरसाती कीड़ा आपकी किचन में भी आएगा। यह धुआं आपकी सेहत के लिए भी हानिकारक नहीं रहेगा।

नीम की पत्तियां

आपको गाय के गोबर का उपला लेना है। अब इसपर आपको ताजी नीम की पत्तियां लाकर रख देनी हैं। इसपर भी

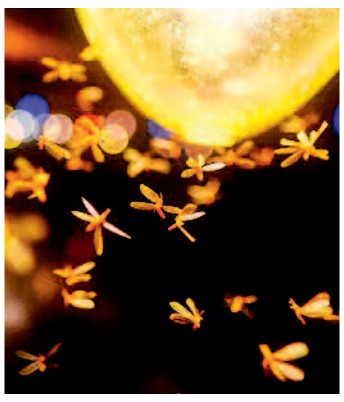

आप थोड़ी कपूर की गोलियां रख दें। ताकि यह आसानी से जल जाए। इसमें अब आप माचिस से आग लगा दें। इस धुएं को आप पूरे किचन में फैलने दें। थोड़ी देर बाद आप देखेंगी सभी बरसाती कीड़े मर गए होंगे और बाहर से भी अंदर प्रवेश नहीं करेंगे। किचन से बरसाती कीड़े भगाने के लिए किचन में नीम की पत्ती और गोबर के उपले का धुआं कर दें।इसके लिए अप एक बर्तन में चूने और हल्दी का पाउडर घोलकर उसको स्प्रे बोतल में भर लें और इसको किचन में छिडक दें। इन देसी तरीकों से बारिश के इस मौसम में रात के वक्त मंडराने वाले कीट पतंगों से आपको मुक्ति मिल जाएगी। सारे उपाय आपके घर में मौजूद है। इन्हें बस इस्तेमाल करना है।

सावन में शिवलिंग पर जरूर चढ़ाएं ये खास चीज

सावन में भगवान शिव की पूजा करने से अपनी कई सारी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आप सफेद चंदन को शिवलिंग पर चढ़ाएं।

सफेद चंदन को सावन में शिवलिंग पर क्यों चढ़ाएं?

सफेद चंदन बेहद पवित्र माना जाता है। इसकी शीतलता और शांति भगवान शिव को काफी पसंद होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे भगवान शिव के तपस्वी रूप दर्शाता है। अगर आप सावन में शिवलिंग पर सफेद चंदन चढ़ाते हैं, तो इससे आपको आंतरिक शांति मिलती है। साथ ही, आपको मानसिक शांति मिलती है। इसलिए आप शिवलिंग पर सफेद चंदन को चढ़ाएं।

सफेद चंदन को शिवलिंग पर चढ़ाने से मिलेगी मन की शांति

आप भगवान शिव को अगर सफेद चंदन को चढ़ाते हैं, तो इससे पवित्रता बनी रहती है। इसलिए आपको इस लेप को बनाना है। इसके बाद शिवलिंग पर इसे लगाना है। इसके बाद इसी चंदन को आपको अपने शरीर पर लगाना है। इससे आपके मन और आत्मा की अशुद्धियां दूर होती है। साथ ही, नकारात्मकता ऊर्जा दूर होती है। इससे आपको भी अच्छा फल मिलेगा।

आर्थिक समस्याओं के लिए आप शिवलिंग पर चढ़ाएं

आप अगर आर्थिक समस्याओं से परेशान हैं, तो ऐसे में आप सफेद चंदन को सावन में शिवलिंग पर चढ़ाएं। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे धन आकर्षित होता है। साथ ही, आपके लिए नए मार्ग खुलते नजर आते हैं। इसलिए आप भगवान शिव को सफेद चंदन का लेप लगाएं। इसे आप रोजाना जाकर शिवलिंग पर लगाएं। इससे आपके व्यवसाय या काम में बरकत आती है।

सावन का महीना सिर्फ धार्मिक आस्था का नहीं, बल्कि ऊर्जा और साधना का महीना भी है। इस दौरान किए गए छोटे-छोटे उपाय भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। साथ ही, कई सारी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इसलिए आपको इसे सावन में जरूर चढ़ाना चाहिए।

कार्नर न्यूज

जिम में वर्कआउट करने फोकस और मोटिवेशन बेहद जरूरी

एक्सरसाइज के लिए मोटिवेट करेंगे कुछ खास टिप्स, वर्कआउट में भी आपका लगेगा मन

जिम जाकर वर्कआउट करने के लिए फोकस और मोटिवेशन जरूरी होता है। इसके लोग अलग-अलग तरीके अपनाते है। जैसे : कुछ लोग एक्सरसाइज करने के लिए जिम में एनर्जेटिक गाने सुनते है। वहीं कुछ लोग मोटिवेशन स्पीच भी सुनते है। जो लंबे समय के बाद जिम में एक्सरसाइज करने जाते है उन लोगों को भी मोटिवेशन की जरूरत होती है। काफी समय से एक्सरसाइज नहीं करने पर माइंड वर्कआउट से हट जाता है। इसके बाद फिर से उसमें मन लगाने के लिए धीरे-धीरे खुद पर काम करना होता है। वर्कआउट में मन न लगने का कारण और उपाय आपको पता होना चाहिए. इस बारे में साइकोलॉजिस्ट से भी बात कीजिए जो आपको कुछ टिप्स बताएंगे।

वर्कआउट ड्रेस पर दें ध्यान

कई मायनों में स्वेटशर्ट या योग पैंट की एक जोड़ी जिम जाने के लिए मोटिवेट करती है। रिसर्च में साबित हुआ है कि हमारा दिमाग 'संज्ञानात्मक अनुभूति' के लिए अतिसंवेदनशील होता है। यानी अवसर के मुताबिक यदि कपड़े पहने जाते हैं तो उस काम को करने में अधिक फोकस लगता है और महत्वाकांक्षा को भी बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। यदि आप वर्कआउट ड्रेस में एक्सरसाइज करने जाते हैं तो निश्चित ही नॉर्मल ड्रेस की बजाय वर्कआउट करने में अधिक फोकस और मोटिवेशन मिलेगा।

जल्दी जिम जाओ

सुबह जल्दी उठकर अपना दिन शुरू करने से पहले जिम जाना फायदेमंद होता है, इस बारे में आप अपने घर वालों से सुनते रहते होंगे। इसलिए कोशिश करें कि सुबह जल्दी उठकर एक्सरसाइज करके आ जाएं। इससे आप जल्दी अपनी दिनचर्या की शुरुआत कर सकते हैं। लेकिन यदि आप सुबह देर से उठते हैं तो आलस्य के कारण जिम नहीं जाएंगे। पहले कुछ दिन सुबह बिस्तर से उठना कठिन हो सकता है, लेकिन एक बार जब आप आदत पढ़ जाती है तो फिर आप बिना अलार्म के भी सुबह जल्दी उठ जाएंगे।

सक्सेस के बारे में सोचें

विजुअलाइजेशन, एथलेटिक टूल है, जिसका उपयोग दशकों से किया जा रहा है। अपनी आंखें बंद करके और यह कल्पना करके कि किसी गोल को प्राप्त करने या किसी एक्सरसाइज को पूरा करने के बाद आप कैसे दिखेंगे, कैसे महसूस करेंगे और किस तरह से शारीरिक और मानसिक असर आप पर पड़ेगा, यह काफी मायने रखता है। ऐसा करके आप शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार हो सकते हैं। यदि वर्कआउट के लिए मोटिवेशन नहीं मिल पा रहा है तो एक बार विजुअलाइजेशन करके देखें, यकीन मानिए यह चमत्कारिक रूप से काम करेगा और गोल के काफी करीब लेकर जाएगा।

ट्रेनर से बात करें

सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर आपके वर्कआउट को अधिक अच्छा बना सकता है। उन्हें यह सब सिखाया जाता है कि अगर किसी का वर्कआउट में मन न लगे तो किस तरह उसे ट्रैक पर वापस लाया जाए। अक्सर लोग जिम जाने से नहीं बल्कि जिम जाकर एक्सरसाइज करने से बोर हो जाते हैं और उनमें मोटिवेशन की कमी आ जाती है। अगर आपके साथ भी यही समस्या है तो ट्रेनर से बात करें वो आपको मोटिवेट करेगा। साथ ही कुछ इंटरेस्टिंग वर्कआउट आपके प्लान में एड करेगा। इससे आपका वर्कआउट में और जिम जाने में भी मन लगने लगेगा।

रिकवरी के लिए समय निकालें

रोजाना वर्कआउट के बाद मसल्स रिकवरी के लिए समय देना जरूरी होता है। लेकिन अगर आप सप्ताह में एक भी दिन रेस्ट नहीं करते हैं और रोजाना 7-8 घंटे की नींद भी नहीं लेते हैं, तो इससे मसल्स रिकवरी नहीं होगी और मसल्स सोरनेस यानी मसल्स में दर्द रहेगा।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

लाइव परफॉर्मेंस के दौरान गिरते-गिरते बचीं सिंगर, हादसे का वीडियो वायरल

अमेरिकी पॉप सिंगर कैटी पेरी का हालिया परफॉर्मेंस उनके लिए किसी डरावने अनुभव से कम नहीं रहा। कॉन्सर्ट के दौरान वो लगभग परफॉर्म करते-करते गिरने वाली थीं, गनीमत रही कि उन्होंने खुद को संभाल लिया और बड़ा हादसा होने से टल गया। सैन फ्रांसिस्को में चल रहे 'लाइफटाइम्स टूर' के दौरान सिंगर एक विशाल तितली के आकार वाले प्रॉप पर बैठकर अपनी हिट सॉन्ग रॉर परफॉर्म कर रही थीं, तभी अचानक उसी प्रॉप में तकनीकी खराबी हो गई। प्रॉप हवा में झूल रहा था, तभी वो अपना बैलेंस खो बैठा और कैटी लगभग नीचे गिरने वाली थीं। लेकिन, कैटी ने अपने आप को शांत रखते हुए अपना गाना नहीं छोड़ा। सिंगर के इसी प्रोफेशनलिज्म की फैंस तारीफ कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो को देखने के बाद जहां फैंस सिंगर की हेल्थ को लेकर चिंता में आ गए। वहीं फैंस उनके जज्बे और प्रोफेनलनिज्म की भी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'कैटी ने दिखा दिया कि असली कलाकार कभी नहीं रुकता।' वहीं एक दूसरे यूजर ने कहा, 'स्टेज पर गिरने के बावजूद उन्होंने गाना जारी रखा, ऐसे प्रोफेशनल्स को सलाम।' हालांकि, कुछ लोगों ने वीडियो को देखते हुए ये सलाह भी दी कि अब समय आ गया है जब कलाकारों को स्टेज पर ही रहने की जरूरत है। एक कमेंट में लिखा गया, 'पहले बेयोंसे, अब केटी पेरी। लगता है कि पॉप स्टार्स को अब स्टेज पर ही रहना चाहिए।' इस हादसे से कुछ समय पहले ही कैटी पेरी और अभिनेता ऑरलैंडो ब्लूम के रिश्ते में दरार की खबरें सामने आई थीं। दोनों ने लगभग नौ साल के रिलेशनशिप के बाद हाल ही में अपने ब्रेकअप की पुष्टि की थी।

टॉलीवुड

एक्ट्रेस रान्या को सोने की तस्करी के आरोप में जेल, जमानत भी नहीं मिली

साउथ की एक एक्ट्रेस रान्या राव को एक साल की सजा हुई। एक्ट्रेस को सोने की तस्करी से जुडे. मामले में यह सजा हुई। विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधि रोकथाम अधिनियम मामले को देख रहे सलाहकार बोर्ड ने हाल ही में फैसला सुनाया कि रान्या राव को हिरासत की समय सीमा के दौरान जमानत भी नहीं दी जाएगी।

डीआरआई जब तय समय सीमा के भीतर आरोप पत्र दाखिल नहीं कर सकी तो रान्या राव को 20 मई को कोर्ट ने उनके सह-आरोपी तरुण राजू के साथ डिफॉल्ट बेल यानी जमानत दे दी थी। 2 लाख रुपये के बॉन्ड और जमानत शर्तों पर बेल मिलने के बावजूद रान्या और तरुण हिरासत में ही रहे। दरअसल, यह कानून तस्करी के शक के आधार पर बिना किसी औपचारिक आरोप के भी एक साल तक की हिरासत की परमिशन देता है। इस साल मार्च महीने में रान्या राव दुबई से आई थीं और केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ग्रीन चैनल से गुजरने की कोशिश कर रही थीं। यह जगह आमतौर पर ड्यूटीएबल सामान वाले यात्रियों के लिए होती है। डीआरआई ऑफिसर ने रान्या से पूछा कि उनके पास कुछ अनडिक्लेयर सामान है। इस पर वह टेंशन में आ गईं। तलाशी के बाद एक्ट्रेस के पास लगभग 12.56 करोड़ रुपये की लागत का कुल 14.2 किलोग्राम सोना बरामद हुआ। इसके बाद रान्या को हिरासत में ले लिया गया। रान्या की पहले की जमानत याचिका दो बार लोकल कोर्ट और बाद में कर्नाटक हाई कोर्ट ने खारिज कर दी गई थी।

भोजपुरी

सावन में खेसारी के कांवड़ गीत ने काटा गदर, हो रहा ट्रेंड

खेसारी लाल यादव ने सावन 2025 में कांवड़ स्पेशल गीत रिलीज किया है, जो यूट्यूब पर छाया हुआ है। भोजपुरी कांवड़ गीत 'दुनिया के बॉस' को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं, और इसे 54 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। खेसारी लाल यादव के इस कांवड़ गीत के बोल हैं 'पूरा दुनिया के बॉस', जिसे खबर लिखे जाने तक यूट्यूब पर 54 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। इस गाने को 14 जुलाई को यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया। साथ में लिखा है, 'आ गइल बा धमाका लेके! अब हर कोना बोलेगा–ई बा असली बॉस। सुनीं, शेयर करीं आ मजा लूटीं! भोजपुरी के फैंस गाने को देखकर ताबड़तोड़ कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा है, 'छा गए गुरु, जय शिव।' एक और कमेंट है, 'इस सावन में आग लगा दो भाई।' एक ने लिखा, 'जियो शेर, हिट है बॉस।' एक बोला, 'खेसारी भोजपुरी के बॉस।' एक का कमेंट है, 'घर का खाना और खेसारी का गाना, सीधे दिल पर लगता है बॉस।'

'दुनिया के बॉस' को खेसारी लाल यादव और राज नंदिनी सिंह ने गाया है। इसके लिरिक्स कृष्ण बेदर्दी ने लिखे हैं, और म्यूजिक आर्य शर्मा ने दिया है। इस गाने में खेसारी लाल यादव, भगवान शिव के भक्त बने हैं और बता रहे हैं कि कैसे वह दुनिया के बॉस हैं, और उनके आगे किसी की नहीं चलती। खेसारी ने अपना एक और भोजपुरी गाना रिलीज किया 'ड्राइवर अभी नया बा', और वह भी यूट्यूब पर छाया हुआ है।

लाइफ स्टाइल

बहारों का मौसम

“बागों की बहार न्यूयार्क फैशन वीक के दौरान डिजाइनरों को खूब लुभा रही है। क्रिएटिव डायरेक्टर स्टेसी बेंडेट ने इन कलेक्शन को खूब सराहा। हालांकि मॉडल के लिए यह एक सामान्य ड्रेस ही है लेकिन इनमें फूलों की छाप कुछ अलग नजारा पेश कर रही है। जाहिर है तारीफ तो मिलनी ही थी।

हाथों पर नहीं रचती है मेहंदी तो आजमाएं ये नुस्खे

सावन का महीना चल रहा है, जिसमें महिलाएं पूजा के समय 16 श्रृंगार करती हैं। महिलाओं के 16 श्रृंगार में मेहंदी का अपना अलग योगदान है। इसी के चलते भगवान शिव को समर्पित इस महीने में महिलाएं हाथों पर खूबसूरत सी खूबसूरत मेहंदी की डिजाइन लगाती हैं।

बारिश के मौसम में बहुत सी महिलाएं इस बात से परेशान रहती हैं, कि उनके हाथों पर मेहंदी का रंग नहीं चढ़ता है। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिनको ट्राई करने के बाद आपकी मेहंदी का रंग एकदम चटक आएगा। खास बात ये है कि इन नुस्खों को ट्राई करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेहंदी का एकदम काला-गाढ़ा रंग चाहिए तो नींबू का रस और चीनी का मिश्रण इसमें आपकी मदद करेगा। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले एक कटोरी में नींबू का रस निचोड़ लें और फिर इसमें थोड़ी सी चीनी डालकर उसका घोल तैयार करें।

पहला नुस्खा

जब हाथों की मेहंदी सूख जाए तो रुई की मदद से इस घोल को मेहंदी पर अप्लाई करें। ध्यान रखें इसे गलती से भी गीली मेहंदी पर अप्लाई न करें, वरना आपकी मेहंदी खराब हो सकती है। ये नुस्खा आपकी मेहंदी के रंग को गहरा कर देगा।

हर घर में सरसों का तेल अवश्य रूप से ही पाया जाता है। ऐसे में आप इसकी मदद से भी अपनी मेहंदी को काला कर सकती हैं। इसके लिए जब मेहंदी पूरी तरह से सूख जाए, यानी कि जब इसे हटाने का समय हो तो मेहंदी को हटाकर अपने हाथों पर सरसों का तेल अप्लाई करें।

दूसरा नुस्खा

इसका फायदा तभी है, जब मेहंदी का रंग हल्का-हल्का आना शुरू हो जाए। सरसों का तेल अप्लाई करने के बाद हाथों को कुछ घंटे पानी से दूर रखें, ताकि इसका ज्यादा से ज्यादा असर आपकी मेहंदी पर हो सके।

तीसरा नुस्खा

मेहंदी का रंग गाढ़ा और गहरा करना है तो लौंग की भाप भी आपके काम आएगी। इसके लिए सबसे पहले तो एक तवे को गैस पर रखकर गर्म करें। अब इसपर 7-8 लौंग रखकर उसे भूनें। जब इसमें से तेज धुआं आने लगे तो इस भाप से अपनी मेहंदी को सेकें।

भाप लेते समय हाथ को एकदम से तवे के ऊपर न करें, इससे हाथ पर छाला भी पड़ सकता है। लौंग की भाप लेते समय सावधानी बरतें, ताकि आपका हाथ भी सुरक्षित रहे।

ट्रेडिशनल लुक पाने मॉडर्न साड़ियों को ऐसे करें स्टाइल, निखरेगा रूप

सावन के महीने में आने वाली शिवरात्रि का पर्व बेहद खास होता है। इस शुभ अवसर पर महिलाएं व्रत रखती हैं और सोलह श्रृंगार भी करती हैं। पारंपरिक रूप से इस पर्व पर साड़ी स्टाइल करना शुभ माना जाता है, और साड़ी का फैशन तो एवरग्रीन है ही। अगर आप भी शिवरात्रि पर साड़ी पहनने की सोच रही हैं, तो आपको एक बेहतरीन साड़ी चुनने में मदद मिलेगी। आपके लिए यहां कुछ लेटेस्ट डिजाइन वाली मॉडर्न साड़ियों के साथ उन्हें स्टाइल करने की टिप्स भी । ये साड़ियां न्यू और खूबसूरत लुक पाने के लिए बेस्ट है, और इनमें आपका लुक बेहद सुंदर और सबसे अलग नजर आएगा।

प्रिंटेड साड़ी

न्यू और ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए आप इस तरह की प्रिंटेड साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। यह साड़ी आप शिवरात्रि पर होने वाली किसी पूजा के दौरान, या घर में हो रही पूजा के लिए भी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी में आपका लुक बेहद खूबसूरत और अलग नजर आएगा। ये साड़ियां आपको ऑनलाइन के साथ-साथ बाजार में भी कई सारे डिजाइन ऑप्शन के साथ मिल सकती हैं। इस साड़ी के साथ आप पर्ल या स्टोन वर्क वाले इयररिंग्स पहन सकती हैं।

स्टोन वर्क साड़ी

शिवरात्रि पर एक मॉडर्न ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए आप स्टोन वर्क वाली साड़ी पहन सकती हैं। यह साड़ी आपके लुक को एक स्पेशल टच देगी और इसमें आपका लुक बेहद खूबसूरत व सबसे अलग नजर आएगा। इस तरह की साड़ियां आपको कई सारे कलर ऑप्शन में ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों ही जगहों पर मिल सकती हैं।इस साड़ी के साथ स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप मिरर वर्क ज्वेलरी का चुनाव कर सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट साड़ी

भीड़ से अलग और खूबसूरत लुक पाने के लिए आप फ्लोरल प्रिंट साड़ी का चुनाव भी कर सकती हैं। यह साड़ी आपकी सुंदरता को बढ़ा देगी। इस तरह की साड़ी सावन के मौके पर आपके लुक को न्यू और फ्रेश टच देगी। इसे आप कई सारे रंग और डिजाइन ऑप्शन के साथ पहन सकती हैं।

ग्रीन टी और बादाम तेल से बनाएं आई सीरम

अगर आप पफी आंखों के साथ-साथ डार्क सर्कल की समस्या से परेशान हैं तो ऐसे में आप ग्रीन टी और बादाम तेल की मदद से आई सीरम बना सकती हैं।

डार्क सर्कल के लिए होममेड आई सीरम कैसे बनाएं

सबसे पहले दो बड़े चम्मच पानी उबाल लें और उसमें ग्रीन टी बैग डालकर 10 मिनट तक रख दें। अब इसे पूरी तरह ठंडा होने दें। अब एक छोटे बाउल में एक चम्मच बादाम तेल डालें। इसमें विटामिन ई कैप्सूल काटकर तेल में निचोड़ लें। अब इसमें एलोवेरा जेल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसमें ठंडी हुई ग्रीन टी धीरे-धीरे डालें और अच्छी तरह मिलाएं ताकि एकदम सीरम जैसा बन जाए। अब इसे किसी साफ डिब्बी में भरकर फ्रिज में रख लें। आप इसे 7-10 दिन तक आराम से इस्तेमाल कर सकती हैं। होममेड सीरम को इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले चेहरा धोकर साफ कर लें। उंगली से थोड़ा सा सीरम लेकर आंखों के नीचे हल्के हाथों से थपथपा कर लगाएं। ध्यान दें कि आपको इसे रगड़ना नहीं है। इसे रिंग फिंगर से लगाना बेस्ट होता है क्योंकि उसका प्रेशर बहुत हल्का होता है।इसे रातभर लगाकर यूं ही छोड़ दें। इस होममेड सीरम से क्या फायदे मिलते हैं? इस होममेड सीरम में मौजूद ग्रीन टी के एंटीऑक्सीडेंट्स और टैनिन्स आंखों के नीचे सूजन कम करते हैं। इससे पफीनेस कम होती है। समय के साथ डार्क सर्कल्स भी कम होते हैं। बादाम तेल में पाए जाने वाला विटामिन ई स्किन को पोषण देने के साथ-साथ रंगत निखारता है। विटामिन ई डैमेज स्किन को रिपेयर करने के साथ-साथ डार्क स्पॉट्स को हल्का करता है। सीरम में मौजूद एलोवेरा जेल स्किन को ठंडक देता है और आंखों की थकान को कम करता है।

कॉम्बिनेशन स्किन वाली महिलाओं को निखार के लिए फॉलो करना चाहिए यह स्किन केयर रूटीन

कॉम्बिनेशन स्किन का खास और अलग तरह से ध्यान रखा जाता है। कॉम्बिनेशन स्किन का मतलब ड्राई और ऑयली स्किन से है। आपने भी कभी न कभी यह महसूस किया होगा कि आपकी स्किन कहीं ड्राई है तो कहीं ऑयली, ऐसे में आपको अपनी त्वचा का ज्यादा खयाल रखना चाहिए। आज इस आर्टिकल में हम आपको स्किन केयर रूटीन के बारे में बताएंगे जिसे फॉलो करना जरूरी है।

क्लींज करें

चेहरे को साफ रखना बेहद जरूरी है। खासतौर पर कॉम्बिनेशन स्किन वाली महिलाओं को त्वचा को क्लींज करना चाहिए। इससे स्किन में मौजूद गंदगी और धूल साफ हो जाती है। इसके लिए आप माइल्ड क्लींजर का उपयोग कर सकती हैं। आप चाहें तो नेचुरल चीजों से भी फेस को क्लीन कर सकती हैं।

टोनर का इस्तेमाल

क्लींजर से केवल त्वचा में मौजूद गंदगी साफ होती है। इसलिए आपको एक्स्ट्रा ऑयल को रिमूव करने के लिए टोनर का उपयोग करना चाहिए। त्वचा का पीएच लेवल भी बैलेंस होना चाहिए। अन्यथा स्किन डैमेज हो सकती है। इसके लिए भी टोनर बेहद फायदेमंद होता है। इस बात का ध्यान रखें कि त्वचा पर केवल अल्कोहल-फ्री टोनर का ही उपयोग करें।

सीरम लगाएं

त्वचा के लिए सीरम कई तरह से फायदेमंद होता है। यही कारण है कि आजकल ज्यादातर महिलाएं इसे अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करती हैं। सीरम लगाने से स्किन हाइड्रेट रहती है। यह आपकी त्वचा को हानिकारक तत्वों से भी बचाने का काम करता है। कॉम्बिनेशन स्किन वाली महिलाओं को हयालूरोनिक एसिड वाले सीरम का उपयोग करना चाहिए। इससे उनकी त्वचा को फायदा होगा। स्किन वाली महिलाओं को मॉइश्चराइजर की खास जरूरत होती है, लेकिन केवल एक ही मॉइश्चराइजर से काम नहीं चलेगा।

कार्नर न्यूज

आज पुरुषों के लिए ढेरों फैशनेबल एसेसरीज मार्केट में उपलब्ध

मेंस फैशन में परफेक्ट लुक के लिए एसेसरीज पहनने अपनाएं खास तरीके, बन जाएंगे महफिल की रौनक

पुरुष भी कपड़ों के साथ एसेसरीज के कलेक्शन से अपने लुक को संवारने की पूरी कोशिश करते हैं। जब ऐसा है तो यह जरूरी है कि एसेसरीज पहनने और इससे जुड़े टिप्स जान लिए जाएं, ताकि आप खुद का बेस्ट लुक देख पाएं। आप इस तरह खुद को आत्मविश्वास से लबरेज पाएंगे और अपने लुक को लेकर भी 'नो टेंशन' फील करेंगे। इसलिए आपके पास जितनी भी एसेसरीज हैं, उनको अब इन टिप्स के साथ पहनना आपके काम आने वाला है। एसेसरीज के बेस्ट लुक के लिए कौन से टिप्स हैं जरूरी, जानने से पहले इंटरनेट पर एसेसरीज पहनने से जुड़ी कई सर्च की जाती हैं, पहले इनको जान लीजिए।

कम में ज्यादा का मजा

एसेसरीज आपके कपड़ों का लुक बेहतर करने का एक साधन है। लेकिन अच्छे लुक के लिए एसेसरीज ज्यादा होना नहीं बल्कि इनका सही चुनाव जरूरी होता है। दरअसल कई लोग एसेसरीज अच्छी लगते ही इन्हें इतना ज्यादा पहन लेते हैं कि सबकुछ ज्यादा-ज्यादा लगने लगता है।

कई पुरुष तो हाथों में अंगूठी ही बहुत सारी पहन लेते हैं। जबकि एसेसरीज के साथ सिंपल और सोबर वाला लुक आना चाहिए। इसलिए कम से कम में ज्यादा से ज्यादा अच्छा लुक पाने के लिए एसेसरीज कम पर अच्छी पहनें।

मौके के हिसाब से एसेसरीज

ज्यादातर बार पुरुष एसेसरीज ऐसी खरीदते हैं जो हर मौके पर चल जाए। लेकिन ये सही नहीं है आपको अलग मौकों के हिसाब से अलग एसेसरीज पहननी होती है। तब ही इसका लुक अच्छा आता है। जैसे फंकी लुक वाली घड़ी फॉर्मल कपड़ों पर बिल्कुल अच्छी नहीं लगती है।

कपड़ों का रंग, एसेसरीज का रंग

एसेसरीज पहनने के लिए आपको कपड़ों के रंग पर भी ध्यान देना होगा। आपको कपड़ों के रंग के हिसाब से एसेसरीज का रंग भी चुनना होगा। इसके लिए जरूरी है कि आप कलर स्कीम को समझ लीजिए।

जैसे आप गोल्ड एसेसरीज को जींस के साथ नहीं पहन सकते हैं। या फॉर्मल सूट के साथ चमकते रंग वाला चश्मा बिल्कुल भी नहीं पहना जा सकता है। आपको रंगों को थोड़ा आपस में मैच करना होगा जैसे बेल्ट, टाई और घड़ी की स्ट्रेप का कलर एक जैसा होना चाहिए।

चंकी ज्वेलरी की मैचिंग

पुरुषों के लिए भी कई तरह की चंकी ज्वेलरी बाजार में मौजूद है। लेकिन इनको पहनने के लिए खास तरह के कपड़ों की जरूरत होती है। और ये हर ड्रेस के साथ मैच बिल्कुल नहीं होते हैं। फॉर्मल कपड़ों के साथ तो बिल्कुल भी नहीं। मेन्स फैशन में ज्वेलरी की भारी डिमांड रहती है।

सिल्वर ज्वेलरी ट्रेंड

सिल्वर ज्वेलरी का ट्रेंड पुरुषों के मामले में अक्सर सही रहता है। पुरुष इनको पसंद भी खूब करते हैं। सिल्वर रंग किसी तरह की कलर स्कीम का हिस्सा नहीं है लेकिन ये बात भी सही है कि किसी भी कलर के साथ ऑड (odd) भी नहीं लगता है। सिल्वर ज्वेलरी को काले और डार्क ग्रे कलर के साथ पहनकर टाइमलेस लुक पाया जा सकता है। गर्मी में आप हल्के रंगों के साथ भी इसे आसानी से पहन सकते हैं।

स्टोन ज्वेलरी हो कितनी

स्टोन ज्वेलरी अगर आप पहनते हैं तो इसको भी कितना पहनना है, इस पर ध्यान देना होगा। दरअसल बहुत ज्यादा स्टोन ज्वेलरी लुक बिगाड़ देती है। हाथ में एक स्टोन की अंगूठी या फिर एक कान में स्टोन वाला इयररिंग ही काफी होता है। इसके अलावा कोई और स्टोन ज्वेलरी न ही पहने तो अच्छा है।